

# कौमी पत्रिका

## राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:  
www.qaumipatrika.in  
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 17 अंक 321 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

### भारत पड़ोसी देशों के राजनीतिक कदम नियंत्रित नहीं करना चाहता: जयशंकर

वाशिंगटन, 25 सितंबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर बात की। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप इसे लेकर निर्धारक नहीं बनें। ऐसा नहीं है कि भारत हर पड़ोसी के प्रत्येक राजनीतिक कदम को नियंत्रित करना चाहता है। यह इस तरह से काम नहीं करता है। यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, बल्कि किसी और के लिए भी काम नहीं करता। जयशंकर ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में यहां के एशिया सोसाइटी और एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित इंडिया, एशिया एंड द वर्ल्ड नामक एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान यह बात कही। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत ने बांग्लादेश और श्रीलंका को बिना किसी शर्त के मदद दी है, लेकिन वहां सरकार में बदलाव भारत के लिए संभावित रूप से प्रतिकूल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा, हर देश के अपने तरीके होते हैं। विदेश नीति में, आप इसे पढ़ने, अनुमान लगाने और फिर इसका जवाब देने की कोशिश करते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे पड़ोस में परस्पर निर्भरता या पारस्परिक लाभ की वास्तविकताएं और साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता हमारे दोनों हितों को पूरा करेगी। ये वास्तविकताएं खुद को मुखर करेगी। यही इतिहास रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ वर्षों में, हमारे क्षेत्र में कुछ होता है और लोग सलाह देने लगते हैं कि वहां किसी न किसी तरह की अनुभवाय स्थिति है। फिर आप देखते हैं कि सुधार खुद ही सामने आने लगते हैं। इसलिए मैं इसे उसी भावना से लूंगा और मुझे पूरा विश्वास है कि इन दोनों मामलों में हमारे संबंध सकारात्मक और रचनात्मक बने रहेंगे। बता दें, विदेश मंत्री जयशंकर का यह बयान श्रीलंका और बांग्लादेश में बदली हुई सरकार को लेकर आया है। श्रीलंका को लेकर उन्होंने कहा, जब कोलंबो बहुत गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा था तब भारत आगे आया और बहुत स्पष्ट कर्तव्य कोई और आगे नहीं आया। मुझे बहुत खुशी है कि हमने ऐसा किया।

# कांग्रेस से बेईमान व धोखेबाज पार्टी कोई नहीं: पीएम मोदी

### सिम्ली कौर बख्तर

हरियाणा, 25 सितंबर। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक सरगमियां तेज हो गई हैं। आज राज्य में कई दिग्गज नेताओं की रैलियों का आयोजन हो रहा है, जिससे चुनावी माहौल और भी गर्म हो गया है। इस कड़ी में गौहाना में पीएम मोदी रैली रहे। हरियाणा भाजपा का संकल्प पक्की गारंटी होता है। भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। हरियाणा में भी हर वायदे तेजी से जमीन पर उतरकर रहेंगे। आपके घर तक पहुंचेंगे, इसलिए पांच अक्टूबर को हमारे इन सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाया है। लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है। कांग्रेस ने 60 साल देश पर राज किया लेकिन उसे कभी देश की बेटियों की चिंता नहीं हुई। जब मैं आया तब मैंने बेटों बचाओ-बेटों पढ़ाओ अभियान शुरू किया, जिससे हरियाणा को फायदा हुआ। पहले 1000 बेटों पर 866 बेटियां थी, लेकिन अब 1000 पर 914 बेटियां हैं। हरियाणा भाजपा नारी शक्ति को और सशक्त करने के लिए और अच्छे काम कर रही है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित हर राज्य में उनके मुख्यमंत्री झगड़ों में

उलझे हुए हैं, उनको जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है। कर्नाटक के सीएम और डिप्टी सीएम आपस की लड़ाई में बिजो हैं। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी यही हाल है। इसलिए हरियाणा को भी बहुत सावधान रहना चाहिए। गलती से भी कांग्रेस आ गई तो अपने झगड़ों में हरियाणा को बर्बाद करके छोड़ेंगे। यहां पर कांग्रेस में जिस तरह झगड़े बढ़ रहे हैं, पूरा हरियाणा देख रहा है। कांग्रेस को वोट देना यानी हरियाणा के विकास को दांव पर लगाया है। मोदी ने कहा कि आरक्षण का विरोध कांग्रेस के झीएनए में है। इसलिए हम देखते हैं कि कांग्रेस के शाही परिवार की चौथी पीढ़ी भी आरक्षण का विरोध कर रही है। इसलिए आपको सावधान रहना है। भाजपा ने वंचित और पिछड़े समाज को हरियाणा में यहां आगे बढ़ाया है। हमारे ओबीसी वर्ग से आने वाले नायब सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। नायब सैनी एक किसान-मजदूर का बेटा है। इनके दरवाजे लोगों के लिए चौबीस घंटों के लिए खुले रहते हैं। कांग्रेस

सरकार अस्थिरता के लिए भी जानी जाती है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, शोषितों के साथ भी धोखा किया है। आजकल कांग्रेस के भीतर सिर-फुटीव्वल हो रही है, ये पुराने पापों का ही परिणाम है। 2014 में जब हड़्डा जो यहाँ सीएम हुआ करते थे, तब ऐसा कोई साल नहीं था जब दलितों के साथ अन्याय नहीं हुआ। अनेक दलितों के साथ अन्याय

हुआ। हर कोई जानता था कि दलितों के खिलाफ कांग्रेस खाद-पानी देती है। आज हरियाणा का दलित समाज एक बार फिर हरियाणा के अंदर कांग्रेस का जो झुमा चल रहा है उसे देख रहा है। कांग्रेस ने हमेशा ही गरीब और पिछड़ों को विकास से बाहर रखा है। जब-जब कांग्रेस सरकार से दूर रही है तब-तब गरीबों को उनका हक मिला है, जब-जब कांग्रेस की सरकार रही है गरीबों और दलितों का हक छीना गया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इनके साथियों को जन्म कश्मीर में शांति पसंद नहीं है। कांग्रेस फिर से धारा 370 वापस लाना चाहती है। आतंक और अलगाववाद को फिर से हवा देना चाहती है। एसी कांग्रेस को आप हरियाणा के लोग सबक सिखाएंगे, ये मुझे पूरा भरोसा है। मोदी ने कहा कि हरियाणा भारत की मेडल फैक्ट्री भी है। पेरिस ओलंपिक में कई मेडल हरियाणा आए हैं। वह हरियाणा के ही हैं। 2038 में हम कोशिश कर रहे हैं कि पेरिस ओलंपिक भारत में हों।



# बदलापुर एनकाउंटर पर उच्च न्यायालय ने उठाए सवाल

### नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 25 सितंबर। बदलापुर एनकाउंटर पर बांबे उच्च न्यायालय ने सवाल उठाए हैं। उच्च न्यायालय ने बुधवार को बदलापुर मामले के आरोपी अक्षय शिंदे के पिता की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उच्च न्यायालय ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठाए। उच्च न्यायालय ने पूछा कि पुलिस ने पिस्टल अनलॉक क्यों की थी? हाईकोर्ट ने सरकारी वकील से कहा कि एक शारीरिक रूप से कमजोर आदमी तेजी से रिवाल्वर को अनलॉक करके फायर नहीं कर सकता। यह आसान नहीं है। इस पर सरकारी वकील ने बताया कि अधिकारी को पिस्टल पहले से अनलॉक थी। अदालत ने कहा कि अगर पुलिस ने पहले शिंदे को काबू करने की कोशिश की होती तो गोलीबारी से बचा जा सकता था और इस बात पर विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि उसने एक पुलिस अधिकारी से पिस्टल छीनकर गोलियां चलाईं। अदालत ने पूछा कि आरोपी को पहले हाथ या पैर के बजाय सीधे सिर में गोली क्यों मारी गई? न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण को खंडपीठ ने कहा कि अगर उसे पता चला कि जांच ठीक से नहीं हो रही है, तो वह उचित आदेश पारित करने के

लिए बाध्य होगी। पीठ ने मामले को तीन अक्टूबर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। तीन अक्टूबर को पुलिस को शिंदे के पिता द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग से संबंधित शिकायत पर निर्णय



लेना है। उच्च न्यायालय ने मामले से जुड़े सभी दस्तावेज तुरंत महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का भी निर्देश दिया, जो शिंदे की मौत की जांच करेगा। अदालत ने

कहा, फाइलें अब तक सीआईडी को क्यों नहीं सौंपी गई? सबूतों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। आपकी ओर से किसी भी देरी से संदेह और अटकलें बढ़ेंगी। बांबे उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की मुठभेड़ में हुई मौत की जांच निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए। अक्षय शिंदे के पिता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपने बेटे की मौत की जांच एसआईटी से कराने की मांग की है। पिता का आरोप है कि उनके बेटे को फर्जी एनकाउंटर के तहत मारा गया है। विपक्षी पार्टियां भी इस एनकाउंटर पर सवाल उठा रही हैं। एनकाउंटर पर सवाल उठने और सियासत गरमाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को घटना की जांच सीआईडी को सौंप दी है। अक्षय पर बदलापुर के एक स्कूल में बच्चियों का यौन शोषण करने का आरोप था। साथ ही उस पर अपनी पूर्व पत्नी के भी यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज था। पूर्व पत्नी के यौन उत्पीड़न के मामले में ही पुलिस उसे जांच के लिए तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी। सरकार का कहना है कि जांच के बाद जेल लौटते समय अक्षय ने एक पुलिस अधिकारी को रिवाल्वर छीनकर पुलिसकर्मियों पर कथित तौर पर तीन गोलियां चलाईं। जिनमें से एक गोली असिस्टेंट पुलिस इस्पेक्टर संजय शिंदे की जांच में लगी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अक्षय के सिर में गोली लगी और उसकी मौत हो गई।

### स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय दिशा-निर्देश लागू करें राज्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 25 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा पर केंद्र के दिशा-निर्देशों को लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही शोष अदालत ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय करने और दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी करने का निर्देश दिया है। महाराष्ट्र के बदलापुर सहित कुछ स्कूलों में बच्चों के साथ हाल ही में हुई यौन उत्पीड़न की घटनाओं के मद्देनजर एक गैर सरकारी संगठन ने आवेदन दायर कर देशभर के शैक्षिक संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा पर केंद्र के दिशा-निर्देशों को लागू करने की मांग की थी। जस्टिस बीवी नागरला और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि केंद्र ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा पर दिशा-निर्देश अधिसूचित किए हुए हैं। पीठ ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह इसकी प्रतियां मुख्य सचिवों या समकक्ष अधिकारियों को भेजे। गैर सरकारी संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन'

की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने शोष अदालत को अवगत कराया कि केवल पांच राज्यों ने बच्चों की सुरक्षा के लिए केंद्र के दिशा-

निर्देशों को लागू किया है। बचपन बचाओ आंदोलन को और से कहा गया कि बच्चों की सुरक्षा से सम्झौता किया जा रहा है। उन्हें राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के परामर्श से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचआरडी) की ओर से तैयार दिशा-निर्देशों को अधिसूचित करने में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेश सरकारों की विफलता के कारण यौन शोषण और हमलों का शिकार होना पड़ रहा है।



### सीट बंटवारे पर जल्द फैसला: मुख्यमंत्री शिंदे कौमी संवाददाता

मुंबई, 25 सितंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्रपति संभाजीनगर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार से मुलाकात की। मंगलवार रात हुई इस मुलाकात के बाद सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही और एनडीए में सीट बंटवारे पर जल्द फैसला हो जाएगा। हालांकि सीएम ने बैठक का ब्यौरा नहीं दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद छत्रपति संभाजीनगर हवाई अड्डे पर पत्रकारों ने जब सीएम से सीट बंटवारे को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और जल्द ही फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समन्वय के साथ बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि अमित शाह दो दिवसीय महाराष्ट्र दौरे पर मंगलवार को छत्रपति संभाजीनगर पहुंचे। महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति मठबंधन विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर रहा है। महायुति मठबंधन में



भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं। मंगलवार रात को एक होटल में हुई बैठक में अमित शाह के अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस शामिल हुए। बाद में इस बैठक में एनसीपी चीफ अजित पवार और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल भी शामिल हुए। बैठक देर रात करीब 12.30 बजे तक चली। इसके बाद होटल में किसी भी नेता ने मीडिया से बात नहीं की। रात में ही सीएम शिंदे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए। हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए सीएम शिंदे ने संकेत दिए कि महायुति मठबंधन में जल्द ही सीट बंटवारे पर फैसला हो सकता है।

### गाजीपुर एनकाउंटर पर अफजाल अंसारी का बयान

गाजीपुर, 25 सितंबर। गाजीपुर में पुलिस एनकाउंटर और योगी आदित्यनाथ पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी का बड़ा बयान सामने आया है। अंसारी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ एक महंत हो सकते हैं, पुजारी, मठाधीश और पूजन प्रक्रिया के विशेषज्ञ हो सकते हैं, उनका सरकार चलाने से क्या मतलब, ग्राम प्रधानी भी चलाने योग्य नहीं है। एनकाउंटर के मामले को सांसद अफजाल अंसारी ने कहा की अखिलेश यादव हमेशा कहते हैं कि पुलिस को कानून में किसी का एनकाउंटर करने का अधिकार नहीं है। फर्जी एनकाउंटर घर से ले जाइए और गोली मार दीजिए। किसी के घर में किसी के छाती में और किसी के सिर में गोली मार दीजिए। कहा कि जब आरोप लगने लगा तो इन लोगों ने टाकुर को भी मार दिया। आपने पहले जो किया वह भी हत्या है और अब जो किया है वह भी हत्या है। दोनों मामलों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। पीड़ितों के पक्ष में अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी खड़ी है।

### झारखंड में चुनाव तैयारियां पूरी, जल्द होगी तिथियों की घोषणा

नई दिल्ली, 25 सितंबर। चुनाव आयोग ने झारखंड के दो दिन के दौरे पर मंगलवार को विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। आयोग ने साफ कहा कि चुनाव बिना किसी पक्षपात और तय दिशा-निर्देशों के तहत संपन्न कराए जाएंगे। आयोग के इस दौरे के बाद कभी भी चुनावी तिथियों की घोषणा की जा सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. एसएस संधू के साथ रांची में प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयोग ने राज्य और जिला प्रशासन को पक्षपातपूर्ण आचरण के प्रति आगाह किया। आयोग ने चुनाव में धन- बल पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क होकर काम करने के कड़े निर्देश दिए। राज्य में कुल 2.59 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 1.31 करोड़ पुरुष और 1.28 करोड़ महिला हैं। राज्य में 11.5 लाख से अधिक पहली बार मतदान करेंगे। 1.5 लाख मतदाता 85 वर्ष से अधिक आयु के हैं। 3.64 लाख दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं।



### केंद्र ने झारखंड के साथ अन्याय ही किया: कल्पना सोरेन

### सौरभ शर्मा

रांची, 25 सितंबर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार को केंद्र पर हमला बोला। उन्होंने केंद्र सरकार पर गरीब आदिवासियों के नाम पर खदानों और खनिजों को हट्टे कर राज्य के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए भाजपा की आलोचना की और चेतावनी दी कि उन्हें राज्य से बाहर कर दिया जाएगा। सोरेन ने भाजपा को अपने एजेंडे का प्रचार के लिए दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को यहाँ लाने की चुनौती दी। इस दौरान उन्होंने हिमंत बिस्व सरमा और शिवराज सिंह चौहान के नाम का उल्लेख किया। मूया सम्मान यात्रा के दौरान कल्पना सोरेन ने कहा, केंद्र ने हमेशा झारखंड के साथ अन्याय किया है। उनकी नजर केवल राज्य की खनीजों और खदानों पर है। वह संसाधनों की जबरन वसूली में लगा हुआ है। कोयले के लिए उन पर हमारा 1.36 लाख करोड़ रुपये का वकआया है। उन्होंने कहा कि



सत्ता हथियाने की कोशिश में यहां प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी ताकतों को खदेड़ दिया जाएगा। झामुमो विधायक ने आरोप लगाया कि

भाजपा दूसरे के काम पर अपना आधार बना रहा है। उन्होंने भाजपा से अपने पति हेमंत सोरेन को चुनौती देने के लिए अधिक से अधिक नेताओं को लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा, मैं उन्हें चुनौती देती हूँ कि वे हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को परेशान करने के लिए जितने संभव हो उतने नेता और सीएम लेकर आए। हमारी महिलाएं उनकी कवच हैं। बता दें कि राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। किसी भी नेता का नाम लिए बिना कल्पना सोरेन ने कहा कि वे लोग एक तरफ बाबा साहेब भीमराव आवेडकर की मूर्ति पर माला चढ़ाते हैं और दूसरी तरफ उनकी प्रतिमा को उखाड़ फेंकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति को पांच महिने तक साजिश के तहत जेल में रखा गया था। बता दें कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमीन घोटाले से जुड़ी मर्नो लॉर्डिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय ने 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

# वक्फ बिल पर फीडबैक मिलने पर फीडबैक के स्रोत की जांच की मांग: निशिकांत दुबे

### तेजिन्द्र कौर बख्तर

नई दिल्ली, 25 सितंबर। वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति को करीब 1.25 करोड़ फीडबैक मिलने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चिंता जताई है। भाजपा सांसद ने इन फीडबैक के स्रोत की जांच की मांग की है और आशंका जताई है कि इनके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और चीन की भूमिका हो सकती है। भाजपा सांसद ने वक्फ बिल की जांच कर रही समिति के अध्यक्ष जगदीशका पात को इसे लेकर पत्र लिखा है। भाजपा सांसद ने इस पत्र में फीडबैक के स्रोतों की जांच में कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और आईएसआई और चीन जैसे विदेशी ताकतों के साथ-साथ उनके प्रॉक्सि की संभावित भूमिका की भी जांच की मांग की है। निशिकांत दुबे भी संसदीय समिति के सदस्य हैं। उन्होंने पत्र में लिखा कि वे फीडबैक किन जगहों से दाखिल किए गए इस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि अकेले भारत से इतनी बड़ी संख्या में



मिलने को अभूतपूर्व बताया और दावा किया कि इससे एक वैश्विक रिकॉर्ड स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि यह एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति का संकेत देता है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि वक्फ संशोधन विधेयक का मुस्लिम समूहों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। उनका कहना है कि वक्फ संशोधन विधेयक के जर्जिए उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप की कोशिश की जा रही है। विपक्षी पार्टियों ने भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार ने वक्फ विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का फैसला किया था। संयुक्त संसदीय समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक पर आम सहमत बनाने के लिए लोगों के फीडबैक मांगे थे और इसके लिए विज्ञापन जारी किया था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरिन रिजिजू ने हाल ही में कहा था कि किसी ने कभी नहीं सोचा था कि पैनल को

क्या विदेशी संस्थाएं, संगठन और व्यक्ति जानबूझकर हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हेरफेर करने के लिए इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक भेज रहे हैं? उन्होंने कहा कि भारत में एक मजबूत संसदीय प्रणाली वाला देश है, और इस तरह एकजुट होकर विदेशी हस्तक्षेप के माध्यम से इसे प्रभावित करने का कोई भी प्रयास राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए सीधा खतरा है। इन फीडबैक के एक बड़े हिस्से की सामग्री एक जैसी है या इसमें मामूली बदलाव हैं, जिससे संकेत मिलते हैं कि इनमें से कई फीडबैक एक संगठित अभियान का हिस्सा हो सकते हैं। इस्लामी कट्टरपंथी संगठन की भूमिका की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि ये समूह अक्सर वादवी शक्तियों द्वारा वित्तपोषित या उनके प्रभाव में होते हैं, जो भारत की धार्मिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। इन्होंने कहा, इस बात पर शक करने की वजह ये है कि ये तत्व वक्फ विधेयक पर विचार-विमर्श का लाभ उठाकर मतभेद पैदा कर रहे हैं और जनमत का धुवीकरण कर रहे हैं।



### चीन-जापान के लोगों के बीच परस्पर आदान-प्रदान, सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के मुद्दे पर टोक्यो में विशेष चर्चा

टोक्यो। चीन और जापान के लोगों के बीच आदान-प्रदान और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए दोनों देशों के लगभग 60 विशेषज्ञ और विद्वान टोक्यो में एक मंच पर एकत्रित हुए। चीन के मानवाधिकार विकास फाउंडेशन और जापान-चीन मैत्री केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार को आयोजित इस चर्चा में वैश्वीकृत दुनिया में चीन और जापान के संबंधों और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों को शामिल किया गया। चीन के मानवाधिकार विकास फाउंडेशन के उप महासचिव किन लियान्ग ने कहा कि चीन-जापान मैत्री की नींव लोगों के बीच आदान-प्रदान पर आधारित है और आपसी समझ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कुंजी है। वहीं, चीन में जापान के पूर्व राजदूत युजी मियामोतो ने उम्मीद जताई कि यह आगे की बातचीत के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा और दोनों देशों के बीच के मुद्दों को सुलझाने में मदद करेगा। मंच को जापान में चीनी दूतावास का समर्थन प्राप्त है। चीन के मंत्री शी योंग ने आपसी समझ को बेहतर बनाने के लिए सांस्कृतिक सहयोग को गहरा करने के महत्व को रेखांकित किया। इससे पहले चीनी प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न जापानी सामाजिक संगठनों, विश्वविद्यालयों और मीडिया संस्थानों का दौरा किया।

### अर्जेंटीना की अदालत ने मादुरो के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की एक अदालत ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ कथित मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। टीएन ब्रॉडकास्टर ने यह जानकारी दी। इससे पहले, वेनेजुएला की एक अदालत ने एमट्रासुर विमान के साथ हुई टक्कर को लेकर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेखियर मादुरो, राष्ट्रपति सचिवालय की प्रमुख करीना मादुरो और सुरक्षा मंत्री पेद्रोसिया बुलरिच के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया। अर्जेंटीना ने सितंबर की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के अभियोजक से श्री मादुरो की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में अर्जेंटीना के एजीजा हवाई अड्डे पर वेनेजुएला की कंपनी एम्प्रेस डे ट्रांसपोर्ट एरोआर्गो डेल सूर (एमट्रासुर) का बॉयंग 747 जलब किराया गया था। इस साल की शुरुआत में एक स्थानीय अदालत ने विमान को अमेरिका को सौंपने का आदेश दिया, जिसके बाद इसे फ्लोरिडा ले जाया गया। वेनेजुएला की मीडिया के अनुसार, विमान को सैन्य विमान घोषित करके ले जाया गया, जिससे विभिन्न हवाई क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड़ान संगठन से उड़ान भरने की अनुमति न मिलने की अनदेखी की गई। जब्त किए गए मालवाहक विमान को नष्ट कर दिया गया।

### चीन ने समुद्र से आठ उपग्रह लॉन्च किए

हैयान्ग। चीन ने पूर्वी प्रांत शेडोंग के हैयान्ग शहर के पास समुद्र से आठ उपग्रहों का प्रक्षेपण किया और उन्हें नियोजित कक्षा में स्थापित किया। वाणिज्यिक रॉकेट स्थानीय समयानुसार आज सुबह करीब 10:31 बजे तियान्यी-41 और अन्य उपग्रहों को लेकर रवाना हुआ। यह प्रक्षेपण ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।

### मोदी ने न्यूयॉर्क में आर्मेनियाई प्रधानमंत्री, होली सी के शीर्ष अधिकारी से मुलाकात की

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान और होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन से मुलाकात की। आर्मेनियाई प्रधानमंत्री के साथ यह मुलाकात एसी रिपोर्ट के बीच हुई है कि आर्मेनिया 2020 में हस्ताक्षरित 20 लाख डॉलर की रक्षा सहायता के हिस्से के रूप में आकाश-1एस वायु रक्षा प्रणाली सहित भारत निरमित हथियार प्रणालियों की महत्वपूर्ण खरीद कर रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, आर्मेनिया को 2024 के अंत में भारत में विकसित आकाश-1एस वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की जाएगी। आर्मेनिया ने 2022 में 72 करोड़ डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था और वह इस प्लेटफॉर्म का पहला विदेशी खरीदार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले चार वर्षों में आर्मेनिया भारत से हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज सुबह संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर के दौरान आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान से मिलकर बहुत अच्छा लगा। श्री मोदी ने होली सी के अधिकारी के साथ अपनी मुलाकात पर कहा, न्यूयॉर्क में होली सी के विदेश सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई।

## हरिनी अमरसूर्या ने श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के रूप में ली शपथ, पीएम पद संभालने वाली तीसरी महिला

एजेंसी कोलंबो। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सांसद हरिनी अमरसूर्या ने मंगलवार को श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। पीएम के तौर पर उनकी नियुक्ति श्रीलंका की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण है। वह चंद्रिका भंडारनायके कुमारतुंगा और सिरीमावो भंडारनायके के बाद प्रधानमंत्री का पद संभालने वाली तीसरी महिला बन गई हैं। अमरसूर्या एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, राष्ट्रपति एक्टिविस्ट और यूनिवर्सिटी लेक्चरर हैं। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए विशेष रूप से काम किया है। इंडियन हाई कमिश्नर ने नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बैठक के बाद, सोमवार को कोलंबो में अमरसूर्या से भी मुलाकात की। इंडियन हाई कमिश्नर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, एचसी

संतोष झा ने एनपीपी सांसद माननीय हरिनी अमरसूर्या से मुलाकात की और राष्ट्रपति चुनाव में अनुरा कुमारा दिसानायके की जीत पर उन्हें बधाई से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को लिखे पत्र में गुणवर्धने ने कहा कि वह नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद नए मंत्रिमंडल की



दी। उन्होंने अमरसूर्या को भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय पहलों के बारे में भी जानकारी दी। इससे पहले सोमवार को दिनेश गुणवर्धने ने प्रधानमंत्री पद नियुक्ति के लिए इस्तीफा दे रहे हैं। अनुरा दिसानायके ने सोमवार को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। यह पहली बार है जब

### प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की से की मुलाकात, भारत ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दोहराई बात

एजेंसी न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूयॉर्क में द्विपक्षीय बैठक के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से कहा कि भारत यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के लिए हस्तसंभव मदद को तैयार है। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की और यूक्रेन की स्थिति के साथ-साथ शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने के तरीके पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीति और संवाद के साथ-साथ सभी हितधारकों के बीच जुड़ाव के माध्यम से यूक्रेन में संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण को दोहराया।

सहमति व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर अगस्त में यूक्रेन का दौरा किया था।



लिपे भारत के समर्थन की बात दोहराई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री की हाल की यूक्रेन यात्रा को याद किया और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर सुदृढ़ीकरण पर संतोष व्यक्त किया। तीन महीने से भी कम समय में दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी बैठक थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर

## हिजबुल्लाह ने इजरायल पर 300 रॉकेट दागे : इजरायली सेना

एजेंसी यरुशलम। इजरायल की सेना ने मंगलवार रात कहा कि हिजबुल्लाह ने इजरायल में लगभग 300 रॉकेट और अन्य प्रोजेक्टाइल दागे हैं। इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उत्तरी इजरायल के हड़प्पा के दक्षिण में एक तटीय शहर अटलित में एक विस्फोटक ड्रोन गिरा, जो पहली बार हिजबुल्लाह के रॉकेट को इस क्षेत्र में पहुंचा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की ओर दो अतिरिक्त ड्रोन दागे गए थे, लेकिन उन्हें रोक दिया गया था। इजरायल की बचाव सेवाओं के अनुसार, ड्रोन से कोई हताहत नहीं हुआ। सेना ने कहा कि अधिकांश रॉकेटों को इजरायल की हवाई रक्षा



प्रणालियों द्वारा मार गिराया गया। उपर, हिजबुल्लाह ने एक बयान में हथेली की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके लड़कों ने अटलित बेस में

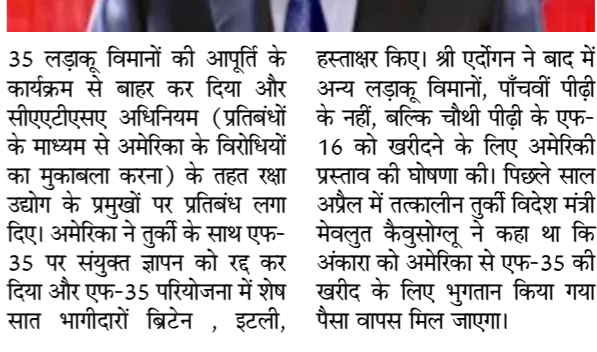
### विदेश मंत्री जयशंकर ने न्यूयॉर्क में फ्रांस के नए विदेश मंत्री बैरोट से बातचीत की



एजेंसी न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फ्रांस के नए विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट से बातचीत की, जिन्होंने एक दिन पहले ही फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय की कमान संभाली है। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों ने द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की और न्यूयॉर्क में यूएनजीए के अवसर पर प्रमुख क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का

### अमेरिका रक्षा उद्योग सहयोग में बाधाएं दूर करेगा : तुर्की

एजेंसी अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका से रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए बाधाओं को हटाने की उम्मीद करता है। श्री एर्दोगन ने कहा कि रक्षा उद्योग में तुर्की का अमेरिका के साथ सहयोग हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतिबंधों के कारण 'दुर्भाग्य से अपनी क्षमता से बहुत कम रह गया है।' तुर्की की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु के हवाले से श्री एर्दोगन ने यह भी कहा, हमें उम्मीद है कि हमने एफ-16 (लड़ाकू विमान) आधुनिकीकरण परियोजना के साथ एक नया पृष्ठ खोला है और उम्मीद है कि इस क्षेत्र में निर्यात बाधाएं स्थायी रूप से हटा दी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि तुर्की ने 2017 में एफ-400 वायु रक्षा प्रणाली के रॉकेटिंग सेट को आयात के लिए रूस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जो उसे 2019 की गर्मियों-शरद ऋतु में प्राप्त हुआ। उसी समय अमेरिका ने मांग की कि अंकारा पेरिडियन के पक्ष में रूसी प्रणालियों को छोड़ दें लेकिन इस पर



### तुर्की एयरलाइंस ने बढ़ते तनाव के बीच लेबनान के लिए उड़ानें निलंबित की

एजेंसी इस्तांबुल। तुर्की की प्रमुख विमान कंपनी टर्किश एयरलाइंस और देश की कम लागत वाली विमान कंपनी, पेगासस एयरलाइंस ने बढ़ते जोखिमों के कारण लेबनान के लिए अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। 'हैबर्टक' दैनिक के अनुसार, यह निर्णय लेबनान पर इजरायल के हवाई हमलों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जिससे बुधवार को बेरुत से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं। वर्तमान में, तुर्की एयरलाइंस की वेबसाइट पर आज के लिए इस्तांबुल से बेरुत का टिकट उपलब्ध नहीं है, हालांकि गुस्वार के लिए बुकिंग खुली हुई है। लेबनान-इजरायल में चल रहे संघर्ष के कारण सुरक्षा कारणों से दोनों एयरलाइनों ने कुछ समय से दिन में उड़ानों का संचालन सीमित कर दिया है। इस बीच, पेगासस के नए विनियमन ने बेरुत के रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानों में पेजर या रॉडियो उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एयरलाइन ने पिछले शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर कहा कि यह नियम सभी व्यक्तिगत बैग, केबिन सामान और कार्गो पर लागू होता है और इसका उल्लंघन करने पर हवाईअड्डा सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें जब्त कर लिया जाता है। पिछले सप्ताह लेबनान में एक साथ कई पेजर विस्फोटों हुए जिनमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग घायल हो गए।

## इजरायल-हिजबुल्लाह संघर्ष - लगातार दूसरे दिन हमले जारी, लेबनान में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 558

एजेंसी यरुशलम। इजरायल और हिजबुल्लाह ने भी एक दूसरे पर हमले जारी रखे। इजरायली सेना ने कहा कि उसने लेबनान के बेका क्षेत्र और दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में हिजबुल्लाह के खिलाफ एयर स्ट्राइक की। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा, हथियारों को रखने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इमारतें, कमांड सेंटर और टेरिस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को एडिशनल साइट्स पर हमला किया। हालांकि, हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इजरायली सेना ने कहा कि वह, हिजबुल्लाह की क्षमताओं और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और उसे कमजोर करने के लिए काम कर रही है। इजरायली सेना के प्रवक्त अविचाय एडवर्ड ने एक्स पर लिखा कि लेबनान के लोगों को

अफुला, नाजरथ और मिगदाल हापेमक शहरों में गिरा। प्रभावित शहरों के अस्पतालों के अनुसार, रॉकेट से हमला किया। इनमें अफुला के पश्चिम में मैगिदो मिलिट्री एयरपोर्ट भी शामिल है। जरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर बड़े पैमाने पर हमले किए थे। लेबनान के पर्यावरण मंत्री नासिर यासीन के अनुसार इन हमलों की वजह से लगभग 16,500 लोगों को बेरुत और लेबनान के अन्य क्षेत्रों में विस्थापित होना पड़ा। राष्ट्रीय आपदा और संकट समिति के समन्वयक यासीन ने कहा कि स्कूलों में विस्थापितों को रखने के लिए शैल्टर्स की संख्या लगभग 150 तक पहुंच गई है। इससे पहले लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरोस अबियाद ने बताया कि सोमवार से दक्षिणी और पूर्वी लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 558 तक पहुंच गई है, जिसमें 50 बच्चे और 94 महिलाएं शामिल हैं, और कुल 1,835 लोग घायल हुए हैं।

## पाकिस्तानी भिखारियों से परेशान सऊदी अरब ने इस्लामाबाद को दी चेतावनी

एजेंसी इस्लामाबाद। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि वह उमराह और हज वीजा के तहत यात्रा करने वाले भिखारियों पर गंभीरता से और तत्काल सज्जन ले। रियाद ने इस्लामाबाद के धार्मिक मामलों के मंत्रालय से कहा कि वह ऐसे लोगों को मिलने वाले वीजा पर रोक लगाए। सऊदी सरकार ने अपनी चेतावनी में कहा कि बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक देश में भीख मांगते पकड़े गए। उन्हें वापस भेज दिया गया। रियाद के मुताबिक ये पाकिस्तानी भिखारी उमराह और हज वीजा के तहत सऊदी अरब में दाखिल हुए थे और अपना समय मक्का और मदीना की सड़कों पर भीख मांगने में बिता रहे थे। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि सऊदी अरब ने उमराह वीजा पर आने वाले पाकिस्तानी भिखारियों की बढ़ती संख्या पर गंभीर चिंता जताई है। सूत्र ने कहा, सऊदी अरब ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इसका पाकिस्तानी उमराह और हज यात्रियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने उमरा अधिनियम प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य उमरा यात्राओं की सुविधा प्रदान करने वाली ट्रैवल एजेंसियों को कानूनी दायरे में लाना है ताकि उन पर निगरानी रखी जा सके। पाकिस्तानी भिखारियों का मुद्दा

पिछले कुछ समय से शहबाज शरीफ सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय



बना हुआ है। हाल ही में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और इस्लामाबाद में सऊदी राजदूत नवाफ बिन सईद अहमद अल-मलकी के बीच बैठक के दौरान इस पर चर्चा हुई। नकवी ने आश्वासन दिया था कि

## यूएस इवेंट में रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद के 'श्रीवल्ली' गाने पर झूम उठे लोग

एजेंसी वाशिंगटन। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने 'श्रीवल्ली' गाने पर परफॉर्म कर 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए लोगों का उत्साह दृढ़ता कर दिया है। अमेरिका के इवेंट में रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद के शानदार परफॉर्मंस पर लोग झूम उठे। फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए उत्साह बढ़ने के साथ ही फैंस कहानी के अगले चैप्टर के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की हाल

ही में रिलीज पोस्टर ने काफी हलचल पैदा कर दी है, जिससे लीड किरदार के रूप में अल्लु अर्जुन को वापसी के लिए उत्साह बढ़ गया है। देवी श्री प्रसाद का मोदी एंड यूएस इवेंट में 'श्रीवल्ली' पर किया गया लाइव परफॉर्मंस हमें 'पुष्पा' की म्यूजिक के जबरदस्त इंपैक्ट की याद दिलाता है, साथ ही यह आने वाले सौकल के लिए भी उत्साह बढ़ने के साथ ही फैंस फिल्म में अल्लु अर्जुन देवारा पुष्पराज का रोल निभाएंगे, साथ ही रश्मिका मंदाना, जो लव इंटरेस्ट श्रीवल्ली का किरदार प्ले कर रही हैं, और फ्रहद फासिल एंटगानिस्ट एसपी भंवर सिंह शेखावत के रूप में नजर आएंगे। 'पुष्पा 2: द रूल' इस साल की मच अवेंट डिलीज होने वाली। देवी श्री प्रसाद का परफॉर्मंस सिर्फ 'श्रीवल्ली' की सफलता का ज्वर नहीं मानता है, बल्कि इस थ्रिल से भरे सिनेमैटिक सफर में आगे क्या होने वाला है उसके लिए भी उत्साह बढ़ता है।

## नेपाल में आर्थिक सुधार के शुरुआती संकेत : आईएमएफ

एजेंसी कोलंबो। नेपाल की 11 दिवसीय यात्रा के बाद संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय एजेंसी ने सोमवार शाम को जारी एक बयान में आयात में वृद्धि, कर संशोधन में सुधार और सार्वजनिक निवेश में वृद्धि को सुधार के कारणों में से एक बताया गया। बयान में कहा गया कि नेपाल में क्रैडिट वृद्धि में सुधार हो रहा है और यह सकारात्मक संकेतों को दर्शाता है। मांग प्रदर्शित करती है। मजबूत प्रेषण, पर्यटन में सुधार और कम आयात के कारण अंतरराष्ट्रीय भंडार में वृद्धि जारी रही। बयान में कहा गया कि नेपाल को सार्वजनिक निवेश का बेहतर निष्पादन और ज्यादा घरेलू राजस्व उत्पन्न करने सहित अर्थव्यवस्था को स्थायी, मजबूत और समावेशी विकास की राह पर लाने के लिए सुधार की गति को तेज करने की आवश्यकता है।



जो आंशिक रूप से अनुकूल कर्मांडी की कीमतों और कमजोर

**कौमी पत्रिका**  
**संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर**  
 स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक,  
 गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, संस्करण ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रेनिंग सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से शाब्दक प्रकाशित किया।  
**Corporate Office:**  
 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002  
 फोन : 011-41590689, 23315814  
 मोबाइल नंबर : 9312262300  
**E-mail address :**  
 qpatrika@gmail.in  
 Website: www.qpatrika.in  
**R.N.I. No.**  
**UP-HIN/2007/21472**  
**Legal Advisors:**  
 Advocate Mohd. Sajid  
 Advocate Dr. A.P.Singh  
 Advocate Manish Sharma  
 Advocate Pooja Bhaskar Sharma



## इनामी बदमाश, आरोपियों से अवैध शराब, हथियार व नकदी बरामद

एजेंसी

**पलवल**। जिले में विधानसभा चुनाव के मध्य नजर अलर्ट मोड पर जिला पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन आक्रमण चलाया हुआ है। ऑपरेशन के तहत एक दिन में जिला पुलिस ने पांच हजार के इनामी बदमाश सहित 69 आरोपियों को दबोचा। जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ एवं सड्डू में लगाई गई शराब व चोरी की बाइक बरामद की है। ऑपरेशन आक्रमण के तहत एसपी चंद्रमोहन के नेतृत्व में सभी अपराध जांच शाखा, थानों व चौकियों को तैयार की गई 47 टीमों में तैनात 163 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग-अलग मामलों में धर पकड़ की। ऑपरेशन के तहत एवीटी टीम में दस अपराधियों को दबोचा गया। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में भाग लेते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान यह बेहतर तरीके से जानती है कि सीएम का चेहरा घोषित करते ही कांग्रेस के नेताओं में खूनी संघर्ष शुरू हो जाएगा। मनोहर लाल ने कुमारी सैलजा के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना या कांग्रेस में रहना यह उनका अपना फैसला है। जिस तरह से कांग्रेस के एक बड़े नेता के इशारे पर दलित महिला का अपमान किया गया और उन पर निजी हमले किए गए, यह बेहद निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। मनोहर लाल ने कहा कि जो संविधान को तोड़ने के लिए उभरे हैं, उसमें उनको यह न लगे कि उनका कोई भाई हथियार पकड़ने के लिए नहीं

## नाकों पर एफएसटी, एसएसटी टीमें मुद्देतट, बिना अनुमति के प्रचार पर वाहनों पर होगी कार्रवाई

**पलवल**। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में तैनात एफएसटी, एसएसटी टीमों को सख्त निर्देश दें कि वे आदर्श चुनाव आचार संहिता की उल्लंघन करने वाली गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। सख्त गतिविधियों की तुरंत वीडियोग्राफी करवाते हुए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी व पुलिस में रिपोर्ट की जाए। डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि निर्धारित किए गए स्थानों पर लगाए गए नाकों पर हर समय बने रहें व निरंतर चौकियां करते रहें। जिला की सीमा में कोई भी संदिग्ध सामान, कैश, अवैध शराब आदि की मूवमेंट नहीं होनी चाहिए। बिना अनुमति के प्रचार वाहन मिलते हैं, तो उन्हें तुरंत इंपाउंड किया जाए। चुनावी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि अपने कैंप कार्यालय में बैठक कर विधानसभा आम चुनाव से संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के साथ चुनाव संबंधी तैयारियों व प्रबंधों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एफएसटी, एसएसटी सहित चुनाव में लगाई गई अन्य टीमों ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

## धान खरीद में देरी को लेकर किसानों-आड़तियों ने किया प्रदर्शन

**यमुनानगर**। धान की खरीद में देरी को लेकर किसानों और आड़तियों ने संयुक्त रूप से लघु सचिवालय के सामने अनाज मंडी गेट पर इकट्ठा होकर प्रदर्शन किया व जिला उपयुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री व कार्यकारी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सीपों। इस मौके पर भारतीय किसान युनियन के जिला अध्यक्ष संजु गुदियाना ने कहा कि धान की फसल को मंडियों में आए 10 दिन से अधिक का समय हो गया है और सरकार ने धान की खरीद 23 सितंबर से शुरू करनी थी। सरकार की ओर से एक पत्र जारी कर सरकारी खरीद की तारीख आगे बढ़कर एक अक्टूबर कर दी है। उन्होंने कहा कि आजकल धान की फसल को कई किस्मों, जो कम समय में पक कर तैयार हो जाते हैं और उनको मंडियों में लाया गया। आज सारी मंडियां धान की फसल से अटी पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि 1966 में जब से हरियाणा बना था, तब से यह कानून था कि धान की फसल को 100 दिन के अंदर पकने के बाद खरीदा जाता है। इसके अलावा जब सरकार धान की खरीद को 31 अक्टूबर 15 जून निर्धारित करती है, तो उस हिसाब से भी 15 सितंबर तक समय बनता है और फसल पक कर तैयार हो जाती है तो सरकार इसे खरीदने में क्यों देरी करती है। इससे किसानों को बहुत अधिक नुकसान है।

## गुडगांव में 17 प्रत्याशी होने के कारण दो बैलेट यूनिट लगाई जाएंगी

**गुरग्राम**। विधानसभा चुनाव के जनरल ऑब्जर्वर समीर वर्मा, नरेंद्र कुमार दुग्गा व जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी निशांत कुमार यादव की उपस्थिति में ईवीएम मशीनों के द्वितीय चरण का रेडिमाइजेशन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, निर्दलीय उम्मीदवार व उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे। पटौदी व सोहना विधानसभा के जनरल ऑब्जर्वर समीर वर्मा ने कहा कि इस रेडिमाइजेशन के साथ ही यह तय हो गया है कि पटौदी, बादशहापुर, गुडगांव व सोहना विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम मशीन की कौन से नंबर की बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट व वोटपैट मशीन किस बूथ पर जाएगी। चारों विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम मशीनों की लिस्ट उम्मीदवारों को भी दी जाएगी, जिससे कि वे जान सकें कि अमुक नंबर बूथ पर अमुक नंबर की मशीन लगाई जाएगी। उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट मतदान के दिन जब बूथ पर बैठेंगे तो वह जान सकेंगे कि उनके बूथ पर इस नंबर की वोटपैट, वीपू व सीयू मशीन लगी हुई है। उन्होंने कहा कि किन्हीं अपरिहार्य कारणों से मशीन में तकनीकी खराबी आ जाए तो रिजर्व ईवीएम मशीनों में से मशीन को बदला जाएगा। उसकी जानकारी भी पोलिंग एजेंटों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी भी ईवीएम को बूथ पर ले जाने से पहले एक बार चेक अवश्य कर लें।

## कांग्रेस सरकार में हुई दलित उत्पीड़न की घटनाएं बनीं चुनावी मुद्दा

नायब सैनी बोले, दलितों के लिए खौफनाक था कांग्रेस का शासन

एजेंसी

**चंडीगढ़**। हरियाणा में कांग्रेस राज के दौरान हुई गोलाना व मिर्चपुर की घटनाएं अचानक से प्रदेश में चुनावी मुद्दा बन गई हैं। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा के संबंध में वीडियो वायरल होने की घटना को भाजपा ने मुद्दा बना लिया है। हरियाणा में इससे पहले भी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर के साथ मारपीट की गई थी। भाजपा नेताओं द्वारा पिछले दो दिनों से सभी मंचों पर दलित उत्पीड़न की घटनाओं को उछाला जा रहा है। हरियाणा में वर्ष 2005 से 2014 तक हड़्डा सरकार सत्ता में रही। इस कार्यकाल के दौरान गोलाना व मिर्चपुर में हुई घटनाओं की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई थी हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस को दलित विरोधी मानसिकता पर धरे हुए कहा कि जिसके पैरों में सालों तक नाल ठोकी गई थी, उससे लोहे का स्वाद नहीं पूछते। हरियाणा के दलितों को ये बताने की जरूरत नहीं है कि कांग्रेस और हड़्डा का

शासन दलितों के लिए कितना खतरनाक और हिंसक था, जिसके डरावने सपने उन्हें आज भी आते हैं। दलित उत्पीड़न के सभी मामलों में हड़्डा सरकार की साफ मिलीभगत थी जगजीवन राम, सीताराम केसरी, अशोक तंवर और अब एक दलित महिला नेत्री तक सबको अपनायित और तिरस्कृत किया है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी विदेशी धरती से खुलेआम कहते हैं कि दलितों और वंचितों का आरक्षण खत्म करना है। दरअसल, ये उनकी पुरानी वंशानुगत मानसिकता है। इनका काम ही है बहका कर वोट लो और बाद में खुलकर अत्याचार करो। दवागई और दहशत ये कांग्रेस के हथियार हैं, जिससे सबसे ज्यादा पीड़ित हमारा दलित समाज ही होता है।



## पहले दलित अध्यक्ष को पीटा, अब सैलजा को किया बेइज्जत, यही कांग्रेस की असलियत : मनोहर लाल

एजेंसी

**चंडीगढ़**। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा है कि कांग्रेस में अगर दम है तो वह भाजपा की तरह सीएम फंस का ऐलान करके फोल्ड में जाए। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में भाग लेते हुए मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान यह बेहतर तरीके से जानती है कि सीएम का चेहरा घोषित करते ही कांग्रेस के नेताओं में खूनी संघर्ष शुरू हो जाएगा। मनोहर लाल ने कुमारी सैलजा के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना या कांग्रेस में रहना यह उनका अपना फैसला है। जिस तरह से कांग्रेस के एक बड़े नेता के इशारे पर दलित महिला का अपमान किया गया और उन पर निजी हमले किए गए, यह बेहद निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। मनोहर लाल ने कहा कि जो संविधान को तोड़ने के लिए उभरे हैं, उसमें उनको यह न लगे कि उनका कोई भाई हथियार पकड़ने के लिए नहीं

है तो केवल इस नाते से ही उन्होंने भाजपा में आने का प्रस्ताव दिया था। मनोहर लाल ने कहा कि यह मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि जो



अशोक तंवर के साथ भी कांग्रेस के नेताओं ने मारपीट करके उन्हें घायल कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस के तथ्यांकित नेता उनका हाल पूछने के

## हड़्डा ने विकास रोका, भ्रष्टाचार में डूबकर हरियाणा का भविष्य बर्बाद किया : नायब सैनी

एजेंसी

**हिसार**। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि कांग्रेस सरकार के समय में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। किसानों और दलितों पर अन्याय किए गए। भूपेन्द्र सिंह हड़्डा ने तो हरियाणा का विकास रोक दिया था। नायब सिंह सैनी बकवाला में भाजपा उम्मीदवार रणबीर गंगवा के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस व भूपेन्द्र सिंह हड़्डा पर प्रहार करते हुए कहा कि हड़्डा सरकार ने किसानों, मजदूरों और दलितों का अपमान किया है। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डूबकर हरियाणा का भविष्य बर्बाद कर दिया था। आज कांग्रेस पार्टी का कोई नेता हरियाणा के लोगों के सामने जवाब देने के कविल नहीं है। हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को सिरे से नकार दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 8 तारीख को जब नतीजे आगये तो जनता कांग्रेस को आइसोमू में भेज देगी। कांग्रेस ने झूठ, भ्रष्टाचार और

हरियाणा की दिशा तय करने का चुनाव है। आप सबका एक-एक वोट भाजपा के कमल के फूल के लिए



और इस बार भाजपा की सरकार बहमत से लौटेगी। मुख्यमंत्री ने दवा किया कि बकवाला में कपल खिलेगा और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 5 अक्टूबर को होने वाला चुनाव हरियाणा के लोकतंत्र का महत्वपूर्ण है। यह चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का नहीं, बल्कि

होना चाहिए। उन्होंने जनता को यह बहोसा दिलाया कि भाजपा ही हरियाणा का विकास और सुखा सुनिश्चित कर सकती है। जनसभा में भाजपा प्रत्याशी रणबीर गंगवा, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, जिला के प्रवासी प्रभारी राजेंद्र राठौर और जिला महामंत्री आशीष जोशी उपस्थित रहे।

## गुलाबी गैंग को जनता नहीं देगी पनपने, रोहतक में खिलेगा कमल का फूल : मनीष ग्रोवर

एजेंसी

**रोहतक**। भाजपा प्रत्याशी मनीष ग्रोवर ने कहा कि सबको पता है कि कांग्रेस के समय गुंडागर्दी व भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा, लेकिन भाजपा ने भयमुक्त वातावरण लोगों को दिया। उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है, जबकि कांग्रेस के समय गुंडागर्दी इतनी थी कि लोग घरों से भी निकलने को डरते थे और व्यापारी भी अपनी सुरक्षा के लिए बड़े बड़े उधे रखने पड़े थे, लेकिन आज व्यापारी भयमुक्त होकर अपना काम कर रहे



शहर के मुख्य बाजारों में डेरू डू डेरू जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से जनसंबाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों को सुरक्षित माहौल प्रदान किया है, जबकि कांग्रेस के केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने दस साल में अनेक योजनाएं लागू ही नहीं कीं, बल्कि पूरे पारदर्शिता तरीके से पब्लिक वोटिंग के अभाव में जनता का मत खरीदने के लिए अपराधी रूप में आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि यह है कि कांग्रेस के समय व्यापारी सहित हर वर्ग अपने आप को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करती है, जबकि भाजपा सरकार को जो जनता

## बीजेपी झूठ, फूट और लूट की राजनीति करती है: दीपेन्द्र हड़्डा

मांगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी केवल झूठ, फूट और लूट की राजनीति करती है। उसका एक ही सिद्धांत है कि झूठ बोलो, भाई को भाई से लड़कर, जाति, धर्म के नाम पर फूट डालो और जमकर लूटो। दीपेन्द्र हड़्डा ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी सरकार का केवल 2 हफ्तों का कार्यकाल बचा है। इस बार जनता बीजेपी या बीजेपी के वोटकाट दलों को वोट देने की गलती नहीं करने वाली। आज पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में लहर चल रही है और एक ही आवाज आ रही है कि बीजेपी जा रही है, कांग्रेस आ रही है।

**एजेंसी**। सांसद दीपेन्द्र हड़्डा ने आज शाम को रानियां विधानसभा के गांव पनीवाला मोटा, गांव बणी, कालावाली विधानसभा के गांव सिकंदरपुर और सिरसा विधानसभा के रिंड़ि सिंघि रिसाट बंगू रोड पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने का अपील की। इस दौरान दीपेन्द्र हड़्डा ने रानियां विधान सभा में कांग्रेस प्रत्याशी सर्व मित्र कंबोज, कालावाली विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी शीशपाल सिंह और सिरसा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी गोकुल सेतिया के समर्थन में वोट

## आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल बनाए, शिक्षा माफिया का खात्मा किया : केजरीवाल

एजेंसी

**सिरसा**। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज मंगलवार दोपहर को रानियां पहुंचे और रानियां से पार्टी के उम्मीदवार हेमपी सिंह के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने मुझे 5 महीने झूठे केस में जेल में डाल दिया था। मेरा कसूर केवल इतना था कि 10 साल से दिल्ली के लोगों की सेवा इमानदारी से कर रहा था। पूरे देश में केवल दो राज्य हैं दिल्ली और पंजाब, जहां 24 घंटे और मुफ्त बिजली मिलती है। सबसे महंगी बिजली हरियाणा में मिलती है। जनता बताए कि मुफ्त बिजली देने वाला चोर है या महंगी बिजली देने वाले चोर है।

उन्होंने कहा कि मैंने 10 साल में शानदार सरकारी स्कूल बनाए, शिक्षा माफिया का खात्मा किया, बिजली और पानी मुफ्त किया, अच्छी सड़कें बनाई और शानदार अस्पताल और मोहल्ला क्लोनिंग बनाए। ये कहते हैं अरविंद केजरीवाल चोर है, ये मेरी इमानदारी से उदर है। इनका मकसद केजरीवाल पर कोंचड़ फेंकना था, ताकि जनता को लगे कि केजरीवाल ने कुछ किया होगा। जब मैं जेल से

आया तो आज पूरी दिल्ली वाले कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल कड़ु इमानदार है। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री की कुर्सी से इस्तीफा दे दिया और दिल्ली की जनता से कहा कि यदि आपको लगता है केजरीवाल चोर है तो मुझे वोट मत देना। यदि आपको लगता है कि केजरीवाल पता नहीं मेरे साथ क्या करना चाहते थे? ये मुझे तोड़ना चाहते थे लेकिन इनको ये नहीं पता कि मैं हरियाणा का हूँ। मेरी रंगों में हरियाणा का खून दौड़ रहा है। ये किसी को भी तोड़ सकते हैं लेकिन हरियाणा वाले को नहीं तोड़ सकते। मुझे गर्व है कि मैं हरियाणा का छोरा हूँ।

## पुलिस ने चलाया ऑपरेशन आक्रमण 63 टीमें नियुक्त कर अलग-अलग मामलों में 16 आरोपितों को किया काबू

एजेंसी

**जौंद**। जिला में ऑपरेशन आक्रमण के तहत 63 टीमें नियुक्त कर अलग-अलग मामलों में 16 आरोपितों को काबू करके 11 मामले दर्ज किए गए हैं। थाना सदर सर्फीदों के तहत गांव खेड़ा खेमावती के पास से एक आरोपित को अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। आरोपित के कब्जे से एक पिस्तौल 12 बोर व एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है। आरोपित की पहचान गांव धर्मगढ़ निवासी संदीप के रूप में हुई है। आरोपित के खिलाफ थाना सदर सर्फीदों में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं जिला पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करके 11 आरोपितों को आबकारी अधिनियम के तहत काबू किया है। जिनके कब्जे से 77 बोलत अवैध शराब, 95 बोलत नाजायज शराब व शराब निकालने के लिए तैयार किया गया। 780 लीटर लाहन बरामद किया गया। थाना उचाना के तहत गांव मखंड के खेतों से चोरी के मामले में दो अभियुक्तों को काबू

किया है। आरोपित के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपित को पहचान गांव दनीदा कला निवासी साहित्य व गांव कौथ कला निवासी सुमित के रूप में हुई है। आरोपितों ने

## आरोपित के खिलाफ थाना सदर सर्फीदों में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वहीं जिला पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करके 11 आरोपितों को आबकारी अधिनियम के तहत काबू किया है।

## प्रधानमंत्री मोदी की रैली के प्रति जनता में भारी उत्साह : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

**हिसार**। भाजपा समन्वय समिति एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिसार रैली के संयोजक कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली ऐतिहासिक होगी। रैली के प्रति जनता में भारी उत्साह है। कुलदीप बिश्नोई बाईपास पर हवाई अड्डे के पास रैली स्थल का जायजा ले रहे थे। उनके साथ पूर्व सांसद संजय भाटिया और पार्टी जिलाध्यक्ष अशोक सैनी सहित भारी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। पूर्व सांसद ने कहा कि भाजपा संकल्प-पत्र में आईएमटी खरखोवा की तर्ज पर 10 आंदोलित शहरों का निर्माण, प्रति शहर 50 हजार स्थानीय युवाओं को नौकरी देने के लिए उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन, विरायु-आयुमान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज एवं परिवार के 70 वर्ष से अधिक प्रत्येक बुजुर्ग को अलग से 5 लाख रुपये तक के मुफ्त

खेतों से सामान चोरी की करीब 40 वारदातों का खुलासा किया है। वहीं पुलिस ने बाइक चोर आरोपित को काबू किया है। जिसकी पहचान गांव नारा निवासी प्रमोद के रूप में हुई है। पुलिस ने प्रमोद से वाहन चोरी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

पक्की सरकारी नौकरी, 5 लाख युवाओं के लिए एनरोजगार के अवसर एवं नेशनल ऑरेंटरशिप



का घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद, 2 लाख युवाओं को बिना पच्ची बिना खर्च

## हड़्डा ने पहले तंवर को टिकाने लगाया, अब सैलजा व सुरजेवाला को साइड में किया : बड़ीली

एजेंसी

**रोहतक**। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि भूपेन्द्र सिंह हड़्डा कांग्रेस के दलित समाज के नेताओं को टिकाने लगा रहे हैं, पहले अशोक तंवर को कांग्रेस छोड़ने पर मजबूर किया और अब कुमारी सैलजा के साथ भी ऐसा ही करने का प्रयास किया जा रहा है। हड़्डा ने तो कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। अपने पुत्र को आगे बढ़ाने के लिए भूपेन्द्र हड़्डा ने कांग्रेस पार्टी को पुत्र मोह में फंसा दिया। जिस प्रकार सोनिया गांधी अपने पुत्र मोह में फंसेकर राहुल गांधी के लिए काम करती थी, उसी प्रकार हड़्डा हरीशंकर अपने पुत्र मोह में पड़ कर सभी दूसरे नेताओं का अपमान कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष भाजपा प्रदेश

प्रमोशन योजना से मासिक स्टैंडपैंड, हर हरियाणवी अनिश्चित की सरकारी नौकरी की गारंटी दी गई है।

मौडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत की। मोहनलाल बड़ौली ने बताया कि 10 बजते 25 सितंबर को सुबह 9 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गोलाना में विशाल जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में रोहतक, सोनीपत और पानीपत के 22 भाजपा प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि जिस तरह राहुल गांधी विदेशी जाकर अपनी आदत के अनुसार पूरे देश को बुराई करते हैं, देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान करते हैं, जनता वह देख रही है। फंसा दिया। जिस प्रकार सोनिया गांधी अपने पुत्र मोह में फंसेकर राहुल गांधी के लिए काम करती थी, उसी प्रकार हड़्डा हरीशंकर अपने पुत्र मोह में पड़ कर सभी दूसरे नेताओं का अपमान कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष भाजपा प्रदेश

## नाम परिवर्तन

**NAME CHANGE**  
It is for general information that I, PAWAN KUMAR son of Shri AMAR SINGH residing Patra(120), Patra, Jhajjar, Haryana-124103, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as PAWAN KUMAR YADAV and NIRMAL YADAV in my minor daughter LAKSHITA YADAV aged 14 years in her School Records. The actual name of mine and my wife are PAWAN KUMAR and NIRMAL respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

हड़्डा ने मुझे 5 महीने झूठे केस में जेल में डाल दिया था। मेरा कसूर केवल इतना था कि 10 साल से दिल्ली के लोगों की सेवा इमानदारी से कर रहा था। पूरे देश में केवल दो राज्य हैं दिल्ली और पंजाब, जहां 24 घंटे और मुफ्त बिजली मिलती है। सबसे महंगी बिजली हरियाणा में मिलती है। जनता बताए कि मुफ्त बिजली देने वाला चोर है या महंगी बिजली देने वाले चोर है।



इमानदार है तभी मुझे वोट देना। दिल्ली की जनता को लगता है कि मैं इमानदार हूँ और मुझे जिताना, तभी मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूँगा। इन्होंने जेल में मुझे तोड़ने की बहुत कोशिश की, तरह-तरह की धाननाएं दीं। इनका मकसद किसी भी तरह मुझे झुकाना था। जेल में जो सुविधाएं सामान्य आरोपियों को मिलती हैं, मुझे वो भी नहीं दी गई। कई दिनों तक इन्होंने मेरी दवाई भी बंद कर दी थी,

## अराजक तत्वों में भय व्याप्त करने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

एजेंसी

**पलवल**। पलवल जिले में विधानसभा चुनाव के दौरान अराजक तत्वों में भय पैदा करने के लिए जिला पुलिस को सीटों से पलवल, होउल व इतना विधानसभा क्षेत्रों पर

शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में रोजाना फ्लैग मार्च किया जा रहा है। एसपी चंद्र मोहन ने आमजन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। एसपी ने बात चोत में कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य अराजक तत्वों में भय व्याप्त करना तथा आमजन में सुखा की भावना पैदा करना है, ताकि वे निर्भीक होकर अपना मतदान कर सकें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों को प्रभावित करें। तुरंत उसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। फ्लैग मार्च आगरा चौक, किठवाड़ा चौक इस्तामबाद, कैप पलवल, तौपूर, दुर्गापुर, भुंगुरी व पत्तोखड़ा आदि गांवों का अलावा पलवल व शहरी शहर से होकर गुजर। फ्लैग मार्च पांच अक्टूबर को होने वाले

## सराफा बाजार में उछला सोना, चांदी में मामूली गिरावट

एजेंसी नई दिल्ली। धेरलु सराफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख है। हालांकि चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी के कारण आज देश के सभी सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 76 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर 76,310 रुपये से लेकर 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 69,960 रुपये से लेकर 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच विक्रि रहा है। चांदी की कीमत में गिरावट आने की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 76,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 76,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर विक्रि रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 76,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

## सेबी बोर्ड मीटिंग 30 सितंबर को, माधवी पुरी बुच पर लगे आरोपों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्वोरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) बोर्ड की बैठक 30 सितंबर को होगी। माना जा रहा है बैठक में सेबी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच से जुड़े आरोपों पर भी चर्चा हो सकती है। शॉर्ट सेलर फॉर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के माधवी पुरी पर आरोप लगाए जाने के बाद सेबी बोर्ड की यह पहली बैठक हो रही है। हिंडनबर्ग के आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस ने भी अलग-अलग क्विंटों में सेबी चेयरपर्सन पर कई आरोप लगाए हैं। ऐसे संकेत मिले हैं कि चेयरपर्सन पर लगाए गए आरोपों पर बोर्ड की बैठक में चर्चा जरूर होगी, लेकिन उस वक्त माधवी पुरी बुच खुद को चर्चा से अलग कर लेंगी। बैठक का एजेंडा अभी तक तय नहीं किया गया है। बावजूद सके जानकारी का कहना है की आरोपों पर होने वाली चर्चा को आमतौर पर बोर्ड मीटिंग के एजेंडा में लिस्ट नहीं किया जाता है, लेकिन इन आरोपों पर चर्चा जरूर होगी। बोर्ड मीटिंग में सेबी द्वारा पेश किए गए 11 कंसल्टेशन पेपर्स पर भी चर्चा की जा सकती है। इन पेपर्स पर लोगों से सलाह लेने की समय सीमा भी पूरी हो चुकी है। ऐसी स्थिति में बोर्ड मीटिंग में इन पर आखिरी फेसलता लिया जा सकता है। ये पेपर्स म्युचुअल फंड लाइट रेगुलेशंस और म्युचुअल फंड्स के लिए एक नए एस्टे क्लास की शुरुआत से संबंधित हैं।

## फियो ने सरकार से निर्यात ऋण पर ब्याज सहायता को पांच साल बढ़ाने की मांग की

नवी दिल्ली। भारतीय निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने सरकार से उस योजना को पांच साल तक बढ़ाने की मांग की है जिसके तहत निर्यातकों को कर्ज पर बजट से ब्याज सहायता दी जाती है ताकि प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में भारत का माल प्रतिस्पर्धा में मजबूती से टिका रह सके। सरकार ने देश में कर्ज महंगा होने के मद्देनजर भारतीय लघु एवं मझोले विनिर्माता निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता बनाए रखने के लिए वित्त वर्ष 2015-16 से निर्यात कर्ज पर पांच साल के लिए ब्याज समतुल्यीकरण योजना- लाघु की थी जिसे बाद में बढ़ाया जाता रहा, लेकिन इस योजना की अवधि समाप्त हो गयी है। सरकार ने पिछले महीने इस योजना को 30 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने इस योजना पर प्रति आयात निर्यात कोड (आईएसईसी) पर इस योजना के तहत ब्याज सहायता की अधिकतम सीमा पांच करोड़ रुपये निर्धारित कर दी है। इस योजना में पहले विनिर्माता निर्यातकों को निर्यात माल के लदान पूर्व और लदान पश्चात की अवधि में कार्यशील पूंजी की जरूरत के कर्ज पर दो से तीन प्रतिशत की दर से ब्याज सहायता प्रदान करती थी।फियो के अध्यक्ष अश्विनीकुमार ने यहां कहा, हम सरकार से निर्यात क्षेत्र के कारोबारी माहौल में निरंतरता और स्थिरता प्रदान करने के लिए सतत आधार पर ब्याज समतुल्यीकरण योजना को फिर से शुरू करने का आग्रह करें।

## मिन्ना का बिग फैशन फेस्टिवल 26 सितंबर से

नवी दिल्ली ऑनलाइन फैशन मार्केटप्लेस मिन्ना का प्रतीक्षित बिग फैशन फेस्टिवल (बीएफएफ) 26 सितंबर से शुरू हो रहा है। कंपनी ने आज यहां कहा कि इस संस्करण में टाईटल स्पॉन्सर 'बोट' है। इस फेस्टिवल में पिछले संस्करण के मुकाबले 47 प्रतिशत ज्यादा लाभ 34 लाख स्टॉल होंगे। ग्राहकों को धेरलु, अंतर्राष्ट्रीय और स्वदेशी श्रेणियों में 9700 से ज्यादा अग्रणी ब्रांड के साथ विभिन्न श्रेणियों में विस्तृत उत्पाद खरीदने का मौका मिलेगा। मिन्ना के लॉकली प्रोग्राम के सदस्य, मिन्ना इनाईडर्स बिग फैशन फेस्टिवल की अरली एक्सेस 24 घंटे पहले यानी 25 सितंबर को प्राप्त कर सकेंगे। इस साल के फेस्टिवल में इनेवेटिव डीलस के साथ ग्राहकों को बेहतर मूल्य मिलेंगे। इसके अलावा, बिग फैशन फेस्टिवल में 'बांड ऑफ दे' के साथ विशेष डील भी मिलेंगी, ताकि ग्राहक अपने पसंदीदा ब्रांड्स अब तक के सबसे आकर्षक मूल्य पर प्राप्त कर सकें। सबसे आकर्षक डीलस में से एक है, 'बाय 1 गेट 4', जो ग्राहकों को लोयर्स के लिए बेहतर मूल्य कपड़े चार गुना लाभ के साथ खरीदने का अनुत्तनीय अवसर प्रदान करेगा। ग्राहकों को लोयर्स पर विभिन्न श्रेणियों में अनेकों उत्पादों पर बहुत शानदार डीलस प्रदान की जा रही हैं। जैसे टैग्स आउटफिट और डेडमोलेस क्लॉसिंक्स हो या फिर स्ट्रेटमेंट पीयर, मिन्ना पर चेस ओकेज एव फेसुअल वियर, वीमस एथॉकॉन एव वेस्टर्न वियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, होम, फुटवियर, ज्वेलरी, वॉच एवं विरयबल्स आदि अनेकों श्रेणियों में ढेर सारे विकल्प उपलब्ध हैं।

## सेबी की जांच में बड़ा खुलासा, छेटी कंपनियां इनवेस्टमेंट बैंकर्स के साथ मिल कर बढ़ा रही हैं आईपीओ का सब्सक्रिप्शन

एजेंसी नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्वोरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) जेद्वी ही एसएमई प्लेटफॉर्म पर लांच होने वाले आईपीओ पर लगातार कस सकता है। इसके लिए सेबी की ओर कुछ सख्त नियमों का जल्दी ही ऐलान होने की बात कही जा रही है। सेबी की एक जांच में खुलासा हुआ है कि आईपीओ के तहत भारी भ्रमक सब्सक्रिप्शन के लिए कुछ कंपनियों गलत तरीके अपना रही हैं। इस काम में उन्हें कुछ इन्वेस्टमेंट बैंकर्स का साथ मिल रहा है। इस खुलासे के बाद सेबी ने सख्तों की ओर बढ़ाने का फैसला किया है। दरअसल, सेबी ने इस साल की शुरूआत में कुछ इन्वेस्टमेंट बैंकों की जांच शुरू की थी। इस जांच में फोकस इस बात पर था कि बैंकों ने कंपनियों से कितनी फीस ली। जांच में पता चला कि करीब आधा दर्जन छेटी इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ने कंपनियों से आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का करीब 15 प्रतिशत अपने फीस के रूप में लिया, जबकि देश में आमतौर पर इन्वेस्टमेंट बैंकर्स की फीस 1 से लेकर 3 प्रतिशत के दायरे में होती है। जाहिर है कि इन इन्वेस्टमेंट बैंकर्स ने कंपनियों से भारी भ्रमक फीस की वसूली की। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि आईपीओ के तहत अधिक से अधिक सब्सक्रिप्शन हासिल किया जा सके। हालांकि इस बात की जानकारी नहीं मिल सकी है कि सेबी ने किन



इन्वेस्टमेंट बैंकर्स की जांच की है। फिलहाल देश में 50 से अधिक इन्वेस्टमेंट बैंकर एसएमई सेगमेंट के आईपीओ के लिए काफी एक्टिव होकर काम कर रहे हैं। सेबी की जांच में पता चला है कि इन्वेस्टमेंट बैंकर्स द्वारा अधिक फीस इस्तेलए ली जा रही है, ताकि आईपीओ को कई गुना सब्सक्रिप्शन मिल सके। फीस को इस बात की भी जानकारी मिली है कि इन्वेस्टमेंट बैंकर्स और निवेशकों के कुछ गुप्त द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए योजनाबद्ध तरीके से आईपीओ में बढ़ी-बढ़ी बोलियां लगाई जाती हैं।

बताया जा रहा है कि निवेशकों के इन थुप्स द्वारा इन्वेस्टमेंट बैंकर हाई नेटवर्क इंडिविजुअल्स (एचएनआई) केंद्रीतरी में और रिटेल इन्वेस्टर कैटेगरी में बढ़ी-बढ़ी बोलियां लगावते हैं। हालांकि नियमों का उल्लंघन होने की वजह से अलॉटमेंट के समय इन बोलियां को कैसिल कर दिया जाता है, लेकिन अलॉटमेंट के पहले ये बोलियां भी सब्सक्रिप्शन के कुल आकड़े में जोड़कर देखी जाती हैं, जिससे मिल सकी है कि सेबी ने किन

## सीतारमण ने उज्बेकिस्तान के व्यापार मंत्री के साथ की कई अहम मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी ताशकंद/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने समरकंद में एशियाई अवसरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की वार्षिक बैठक से पहले उज्बेकिस्तान गणराज्य के निवेश, उद्योग एवं व्यापार मंत्री लाजीज कुदरातोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री ने उज्बेकिस्तान के मंत्री लाजीज कुदरातोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित आसानी दिहों के मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ उन्होंने भारत

और उज्बेकिस्तान के बीच विशेष रूप से अक्षय ऊर्जा, उर्वरक, दवा क्षेत्र के क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश संधि मंत्रियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि बीआईटी पर हस्ताक्षर करने से एक-दूसरे के बाजार में निवेशकों



(बीआईटी) के लिए सफल समझौते को भी स्वीकार किया। मंत्रालय के मुताबिक मुलाकात के दौरान दोनों का विश्वास बढ़ेगा, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य एवं पर्यटन, उच्च शिक्षा, कपड़ा, दवा और कृषि

## फ्लिपकार्ट पर्सनलाइजेशन फीचर्स के जरिए बिग बिलियन डेज शॉपिंग में बदलाव को तैयार

एजेंसी नई दिल्ली। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट भी पर्सनलाइजेशन फीचर्स टेकनोलॉजी पर फोकस करते हुए दी बिग बिलियन डेज 2024 के 11वें संस्करण के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है। दरअसल एआई, एआर और वीआर आधारित पर्सनलाइजेशन फीचर्स भी ग्राहकों को खूब पसंद आ रहे हैं।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के लिए पर्सनलाइजेशन की सुविधा मुहैया कराना ई-कॉमर्स कंपनियों की सफलता में मददगार साबित हुई है। ये कंपनियां पर्सनलाइज्ड एक्सपीरियंस के जरिए अपने रिवेन्यू में 40 फीसदी तक की ग्रोथ दर्ज कर रही हैं। वहीं, फीसदी कस्टमर्स ऐसी सर्विसेज के लिए थोड़ा अधिक पैसा खर्च करने के

लिए तैयार हैं। फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2024, 27 सितंबर से शुरू होकर 6 अक्टूबर



को खसत होगा। पर्सनलाइज्ड रिक्मेंडेशन देने के लिए एआई, जनरेटिव एआई, एआर

और वीआर को इंटीग्रेट करते हुए और एआर-पावर्ड ट्राई ऑन फीचर्स के जरिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म

पर्सनलाइज्ड रिक्मेंडेशन देने के लिए एआई, जनरेटिव एआई, एआर

मदद से ग्राहकों को रंग और पैटर्न जैसे विजुअल्स में अंतर करने और अपने रिजल्ट्स को फेदाइन करने में मदद मिलती है, जिससे उनके लिए प्रोडक्ट सर्च करना आसान हो जाता है। शॉपिंग के दौरान जनरेटिव एआई का प्रयोग कई तरह से ग्राहकों एवं विक्रेताओं के अनुभव को बेहतर करने के लिए होता है, जिसमें चैट-आधारित अनुभव, सीमेंटिक सर्च और इंटरनल टूल एनालिसिस जैसे फीचर्स शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहकों को प्रोडक्ट खोजने से लेकर चेकआउट तक सुगम एवं पर्सनलाइज्ड अनुभव मिले और विक्रेता डाटा आधारित इनसाइट्स एवं एआई की मदद से इन्वेन्टरी को बेहतर तरीके से मैनेज करने और मांग का अनुमान लगाने एवं कैंटलॉग तैयार करने में सक्षम हों। फ्लिपकार्ट द बिग बिलियन डेज

## सुप्रीम कोर्ट ने प्रत्यक्ष कर के 573 मामलों का निपटारा किया: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ने कर मुकदमेबाजी को कम करने और कर प्रक्रिया को सरल बनाने के मद्देनजर प्रत्यक्ष कर से जुड़े 573 मामलों का निपटारा किया है। इन मामलों में कर की रकम 5 करोड़ रुपये से कम थी। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 573 प्रत्यक्ष कर से जुड़े मामलों का निपटारा किया है। इन मामलों में अपील दायर करने की संशोधित मौद्रिक सीमा 5 करोड़ रुपये से कम थी। मंत्रालय के मुताबिक यह महत्वपूर्ण उपलब्धि कर मुकदमेबाजी को कम करने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। केंद्रीय बजट 2024-25 की घोषणा के मुताबिक सीबीडीटी और सीबीआईसी ने अपने-अपने डोमेन में अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा बढ़ाने के लिए आन्तरिक आदेश जारी किए थे। मंत्रालय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपील दायर

करने की मौद्रिक सीमा में बदलाव के बाद इन मामलों का निपटारा किया है। इन बदलावों से कर से जुड़े



मुकदमों में कमी आएगी और कर विवादों का समाधान तेजी से होगा। इसके साथ ही कारोबार आसान होगा। केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रत्यक्ष कर, सेवा कर, और उत्पाद शुल्क से जुड़ी अपीलों के लिए मौद्रिक सीमा को बढ़ाया गया है। इसका मकसद मुकदमेबाजी को कम करना, कर प्रक्रियाओं को आसान

## शंख एयर उड़ान भरने को तैयार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। देश की एक और एयरलाइन आसमान में उड़ान भरने के लिए तैयार है। इस एयरलाइन का नाम शंख एयर है। इस नई एयरलाइन को परिचालन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। यह उत्तर प्रदेश की पहली विमानन कंपनी होगी, जिसका केंद्र लखनऊ और नोएडा में होगा। हालांकि, आधिकारिक तौर पर उड़ान शुरू करने से पहले इसको नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से मंजूरी लेने की आवश्यकता होगी।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि शंख एयर को परिचालन शुरू करने की अनुमति मिल गई है। कंपनी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की पहली अनुसूचित एयरलाइन बनने जा रही है। शंख एयर लखनऊ और नोएडा को हब बनाएगी। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन का लक्ष्य देशभर के प्रमुख शहरों को जोड़ना है, जो अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों की पेशकश

करती है। इसके अलावा कंपनी उच्च मांग और सीमित सीधी उड़ान विकल्पों वाले क्षेत्रों पर अपना ध्यान



केंद्रित करेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुमोदित पत्र के मुताबिक कंपनी को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और पूंजी बाजार नियामक सेबी आदि के नियमों के अनुसार संबंधित प्रावधानों का पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसे संचालन के लिए जारी की गई नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) सक्ती है, जहां वर्तमान में हवाई यात्रा के सीमित विकल्प हैं, जिससे पूरे भारत में क्षेत्रीय गतिशीलता बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है। इसका प्रमाण है यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ती, नए एयरपोर्टों का निर्माण और अन्य सुविधाओं में निरंतर वृद्धि होना है।

डेवलपर्स एक साथ आए थे। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23-26 सितंबर, 2024 तक अस्ट्रेलिया के दौर पर हैं। इससे पहले गोयल ने इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रैमवर्क (आईपीईएफ) के तहत स्वच्छ अर्थव्यवस्था समझौते, निष्पक्ष अर्थव्यवस्था समझौते और आईपीईएफ समझौते के लागू होने का स्वागत किया। आईपीईएफ समझौते के तहत आर्थिक सहयोग को और गहरा करने और ठोस लाभ प्रदान करने के महत्वपूर्ण अवसर पर जोर दिया गया है। आईपीईएफ पर व्यापक समझौता 11 और 12 अक्टूबर, 2024 को

## गोयल ने रियल एस्टेट क्षेत्र के मुद्दों को आरबीआई के समझ उठाने का किया वादा

एजेंसी सिडनी/नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रियल एस्टेट कारोबारियों को भरोसा दिलाया कि वह अन्य उद्योगों की तरह ही रियल एस्टेट क्षेत्र को आसान वित्तपोषण उपलब्ध कराने का मुद्दा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के समझ उठाएंगे। इसके अलावा पीयूष गोयल ने यहां कई सांख्यिकीय मुद्दों में हिस्सा लिया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा के दूसरे दिन सिडनी में भारतीय रियल एस्टेट डेवलपर्स संघों के परिसंघ



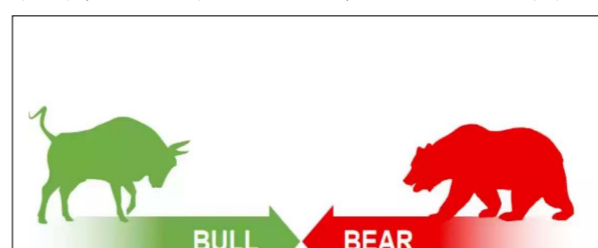
(क्रैडॉइ) के 22वें राष्ट्रीय सम्मेलन को बात कही। इस सम्मेलन में भारत से वतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह ऑस्ट्रेलिया करीब 1100 रियल एस्टेट

करोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और एनर्जी सेक्टर भी आज लगातार उठा पटक होती रही, जिसके कारण बीएसई का

मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेर्य बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के

लागू होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी बयान के मुताबिक इसके अलावा पीयूष गोयल यहां इंडिया ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अलायंस (आईबीसीए) द्वारा आयोजित 'उभरते बिजनेस लीडर्स रिसोशान' को संबोधित किया। इस समग्र समझौते के लागू होने का स्वागत किया। आईपीईएफ समझौते के तहत आर्थिक सहयोग को और गहरा करने और ठोस लाभ प्रदान करने के महत्वपूर्ण अवसर पर जोर दिया गया है। आईपीईएफ पर व्यापक समझौता 11 और 12 अक्टूबर, 2024 को

लागू होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जारी बयान के मुताबिक इसके अलावा पीयूष गोयल यहां इंडिया ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अलायंस (आईबीसीए) द्वारा आयोजित 'उभरते बिजनेस लीडर्स रिसोशान' को संबोधित किया। इस समग्र समझौते के लागू होने का स्वागत किया। आईपीईएफ समझौते के तहत आर्थिक सहयोग को और गहरा करने और ठोस लाभ प्रदान करने के महत्वपूर्ण अवसर पर जोर दिया गया है। आईपीईएफ पर व्यापक समझौता 11 और 12 अक्टूबर, 2024 को



के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और आईटी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर रियल्टी, एफएमसीजी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रांड मार्केट में

निवेशकों की संपत्ति में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 476.16 लाख करोड़ रुपये (अस्थायी) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 13 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,076 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,045 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 99 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

## जितिया व्रत में बनाएं महुवे के आटे का हलवा, पोषक तत्वों का भंडार, कैल्शियम इतना की हड्डियां रहेंगी मजबूत



**जितिया व्रत माएं अपनी संतान की लंबी उम्र, सुरक्षा के लिए रखती हैं। इस दिन कई तरह के पकवान बनते हैं, जिसमें महुवा के आटे की रोटी और हलवा मुख्य रूप से बनता है। महुवा यानी रागी जो बेहद पौष्टिक और हेल्दी होता है, जितिया व्रत में महुवा का हलवा आपको भी बनाना है तो इसकी रेसिपी बहुत ही आसान है।**

25 सितंबर को जितिया है। जितिया व्रत (Jitiya Vrat) बच्चों के लिए किया जाता है। इसमें माएं अपनी संतान की रक्षा, खुशहाली, अच्छे सेहत के लिए दिन भर निजता व्रत रखती हैं। यह एक कठिन व्रत है। मान्यता के अनुसार, जितिया व्रत में जीमूतवाहन भगवान की पूजा की जाती है। ये गंधर्व राजकुमार थे। मान्यता है कि जीमूतवाहन ने अपनी सूर्यवृद्ध, साहस से एक माता के पुत्र को जीवनदान दिलाने का पुण्य का काम किया था। उसके बाद से ही जीमूतवाहन जी की पूजा भगवान के रूप में की जाने लगी। अपने बच्चों की रक्षा के लिए सभी माएं उसके बाद से जीवित पुत्रिका व्रत करने लगीं। जितिया व्रत में खानपान की बात करें तो कई तरह की चीजें बनाई जाती हैं, जिसमें महुवा के आटे का हलवा मुख्य रूप से बनता है।

महुवा के आटे को रागी, मंडुआ या मडुआ भी कहा जाता है। महुवा या रागी मुख्य रूप से एक अनाज है। ये स्वादिल होने के साथ ही कई तरह के पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। हालांकि, महुवा (रागी) की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसे सर्दियों में आप खाएं तो बेहतर होगा। महुवा से कई तरह के व्यंजन आप बना सकते हैं, जिसमें महुवा की रोटी, हलवा, उपमा, केक, चीला, डोसा आदि शामिल हैं।

महुवा के आटे के फायदे (Madua ka atta ke fayde) इसमें कैल्शियम भरपूर होता है। इसके सेवन से हड्डियों की समस्या से बचाव हो सकता है। हड्डियां हेल्दी रहती हैं। रेगुलर सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस होने का जोखिम कम हो सकता है। पेट की समस्या जैसे कब्ज, गैस, ब्लोटिंग, अपच से परेशान रहने वालों को भी रागी यानी महुवा का सेवन करना चाहिए। पाचन शक्ति दुरुस्त रहता है। चूंकि, इसमें शुगर नहीं होता और फाइबर अधिक होता है, ऐसे में डायबिटीज में भी इसे आप खा सकते हैं, क्योंकि यह शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

काला रंग खोलता है आपकी पर्सनेलिटी के ये अनाखे सीक्रेट्स काला रंग खोलता है आपकी पर्सनेलिटी के ये अनाखे सीक्रेट्सआगे देखें...

महुवा के आटे का हलवा बनाने की सामग्री ची- 2-3 चम्मच

महुवा का आटा- एक कटोरी चीनी- एक छोटी कटोरी पानी- आवश्यकतानुसार

महुवा के आटे का हलवा बनाने की विधि महुवा के आटे का हलवा बनाना बहुत ही आसान है। इसके लिए आपको अधिक चीजों की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। सबसे पहले गैस पर एक कड़ाही रखें। उसमें घी डालें और गर्म करें। अब महुवे का आटा डालकर तेज आंच पर भूनें। जब बाउज हो जाए तो आंच कम करके चीनी डालें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इसमें पानी डालकर पकाएं। जब पानी सूख जाए तो इसमें एक बड़ा चम्मच घी और डालकर चलाएं। आप चाहें तो इसमें ड्राई फल्ट्स जैसे किशमिश, पिस्ता, काजू, बादाम भी अपनी इच्छानुसार मिक्स कर सकते हैं। सिर्फ 10 मिनट के अंदर तैयार है पौष्टिक महुवे का हलवा। इसे खाकर एनर्जी तो मिलेगी ही, सेहत को कई अन्य फायदे भी होंगे।

नर्मदा 1312 किलोमीटर लंबी बहती नदी और किनारे बसे पहाड़, जंगल ही नहीं, गांव- नगर, लाखों परिवार, उनकी पीढ़ियों की जीवनगाथा और चलती आजीविका...खेती, मजदूरी, वनोपज, मत्स्य व्यवसाय, या कोई करीगरी की जटिलता और घाटी के संसाधनों पर निर्भरता, विशेष हकीकत रही। इस पर बड़े बांध से आने वाली डूब के और अन्य असरों के अध्ययनों के बिना ही फैसला आया, यह हकीकत स्पष्ट होती है। शुरुआत तो हुई 1959 में जब महाराष्ट्र और गुजरात एक होकर बाँधे सरकार थी। नर्मदा पर नवागाम बांध, पहले दौर में 162 फीट ही ऊंचा बनाने का प्रस्ताव हुआ और उसे बढ़ाकर दूसरे दौर में 300 फीट तक ले जाने का! जल संसाधन और विद्युत मंत्रालय ने 320 फीट तक बढ़ाकर सौराष्ट्र और कच्छ तक सिंचाई पहुंचाने का प्रस्ताव, सलाहकार समिति की सिफारिश पर मंजूर किया। पहले दौर के निर्माण प्रस्ताव के बाद दूसरे दौर में 625 मेगावाट बिजली निर्माण भी संभव माना था।

1 मई 1960 को महाराष्ट्र- गुजरात स्वतंत्र राज्य बनने के बाद 1963 में केंद्रीय मंत्री डॉ. के. एल. राव ने 425 फीट का नवागाम बांध और पूरा लाभ गुजरात को तथा 850 पूर्ण जलाशय स्तर का पुनासा बांध (आज का इंदिरा सागर!) और उससे लाभों का बंटवारा मध्यप्रदेश और गुजरात में 2=1 मंजूर करवाया; ७५% भूभाग अर्द्धबंध% के रूप में। मध्यप्रदेश शासन ने बाद में इसे नामंजूर करके विवाद उठाया और खारिज करवाया। इसके बाद शुरू हुआ आंतरराज्य विवाद, जिसके निराकरण के लिए इंदिरा गांधी ने गठित किया ट्रिब्यूनल, जो 1969 से 1979 तक चला। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र, दोनों राज्यों ने 10 साल तक गुजरात में नर्मदा पर बड़ा बांध बनाने का विरोध दर्ज किया। मध्यप्रदेश में चला सर्वदलीय निर्माडू बचाओ आंदोलन।दिसंबर 1979 में आंतरराज्य नर्मदा ट्रिब्यूनल याने जल विवाद न्यायाधिकरण का फैसला आया, जो परियोजना के विविध पहलु और असरों के अध्ययन पुरे करे बिना, विवाद के निराकरण का निर्णय था। 10 सालों के कार्यकाल में न्यायाधिकरण के सदस्यों ने नर्मदा घाटी की मुलाकात ली, वह मात्र शूलपाणीश्र, हारुपेशर और कोटेश्रर मंदिरों तक सीमित थी, न ही किसी विस्थापित होने वाले गांव या परिवार की। महाकाय योजना को दी मंजूरी और साहूकारी भी बिना अध्ययन।नर्मदा 1312 किलोमीटर लंबी बहती नदी और किनारे बसे पहाड़, जंगल ही नहीं, गांव- नगर, लाखों परिवार, उनकी पीढ़ियों की जीवनगाथा और चलती आजीविका...खेती, मजदूरी, वनोपज, मत्स्य व्यवसाय, या कोई करीगरी की जटिलता और घाटी के संसाधनों पर निर्भरता, विशेष हकीकत रही। इस पर बड़े बांध से आने वाली डूब के और अन्य असरों के अध्ययनों के बिना ही फैसला आया, यह हकीकत स्पष्ट होती है।राष्ट्रीय स्तर पर 1993 में ही, विस्थापितों



के अधिकार डुबाते हुए धकेले जाते बांध के विरोध में 1985 से शुरू हुए सतत सत्याग्रह, उपवास आदि के बाद नर्मदा आंदोलन से एक विशेष चुनौती दी गई, जलसमाधि घोषित होकर! उसके पहले 1988 का धरना और रैलियां, 1989 में 80 किलोमीटर चले आदिवासी और वाहनों से पहुंचे मध्यप्रदेश के निमाडूवासियों की हजारों की संख्या में बांधस्थल पर गिरफ्तारी हुई थी। 1990 में बाबा आमटे जी के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास पर सत्याग्रह और बहुगुणाजी, सुगुथा कुमारी जैसे की उपस्थिति में चर्चा; मुंबई के 8 दिन के उपवास के बाद शरद पवार जी का बांध स्थल पर पहुंचकर गुजरात और महाराष्ट्र के अधिकारियों सहित बैठक और पुनर्वास के बिना बांध आगे न बढ़ने देने की घोषणा... सब हो चुका था। 1990 में ही 5000 विस्थापितों का पैदल जनविकास मार्च और उस पर हुए दमन के साथ 21 दिनों का उपवास देश और दुनिया से सहयोग पा चुका था! फिर भी डूब का खतरा, पहाड़ी आदिवासियों पर छारे हुए जब जल समाधि का निर्णय लिया गया, तभी योजना आयोग के उपाध्यक्ष जयंतराव पाटिल जी की अध्यक्षता में बना पांच सदस्यीय समूह जो जल संसाधन मंत्रालय के प्रमुख सचिव रहे रामस्वामी अय्यर, अर्थशास्त्री एल. सी. जैन, वसंत गोवारीकर, कुलंदे स्वामी जैसे आंदोलन और शासन से प्रस्तावित मान्यवरों का था। दोनों पक्षों की सुनवाई और प्रस्तुतियों के बाद उनका भी निष्कर्ष रहा, सरदार सरोवर के नियोजन में अधूरापन और लाभों के गलत दावों का 100 साल में 75 नहीं, मात्र 61 साल ही भर सकता है जलाशय पूर्ण और शायद मिल सकते हैं, अपेक्षित लाभ; यह कहते हुए पर्यावरणीय और समाजिक हानिपूर्ति याने पुनर्वास के भी अधूरे नियोजन पर कड़े सवाल उठाने वाली उनका रिपोर्ट शासकों को स्पष्ट चेतावनी देती रही। गुजरात के आग्रह पर, बांध को आगे बढ़ाने का निर्णय जब भारतीय शासकों ने लिया, तब विस्थापितों का आंदोलन सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया और 1994 से

2000 तक चली सुनवाई, भूतपूर्व विधिमंत्री शांतिभूषण और अधिकांश प्रांतांत भूषण के द्वारा, केंद्र शासन के तमाम वरिष्ठ अधिकारकों के आमने सामने। यांचिका प्रस्तुत होने के बाद भी बांध की उंचाई 69 मीटर से 80 मीटर तक बढ़ाने का निर्णय शासन ने, अनैतिक मानी गई प्रक्रिया से जाहिर करने पर, डूबग्रस्त होने के खतरे को चुनौती दी, आंदोलनकारियों के 26 दिनों के उपवास से। इसी दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में 16 दिसंबर 1994 के रोज मध्यप्रदेश विधानसभा में सर्वदलीय प्रस्ताव पारित हुआ, सरदार सरोवर की उंचाई बढ़ने न देने का। जब सर्वोच्च अदालत में सर्व समावेशक यांचिका में सुनवाई हुई तब मई 1995 से 1999 तक रोका गया सरदार सरोवर का कार्य, 80 मीटर परानर्मदा जैसी सालभर अखिल बहने वाली नदी और उसकी 41 उपनदियों की घाटी में बगी, तथा, सुचा जैसे 30 बड़े और 135 मझौले बांधों के तथा 3000 छोटे बांधों के निर्माण का नर्मदा घाटी विकास% का प्लान ब्राजील की अमेर्जन या फ्रांस की लाइर नदी घाटी के जैसी विशाल योजना तो थी ही। लेकिन 3000 छोटे बांधों को भूल सी गई थी शासन! जो बांध बने थे, उनके विस्थापितों से तथा लाभक्षेत्र के जलजमाव, नहर व्यवस्थापन जैसे सवालों के ऊपर उठी थी क्षेत्रीय आवाज. फिर भी इंदिरा सागर, सरदार सरोवर इन दो महाकाय बांधों को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में 1979 से 1985 तक विस्थापितों की पूर्ण संख्या का ही नहीं, सामाजिक-आर्थिक- सांस्कृतिक धरोहर और अधिकारों का भी शोध नहीं हुआ महाराष्ट्र ने 1990, 1992 से लेकर 2004 तक कई आदेश निकाले। वनागवां में वनजमीन कसते आए आदिवासियों को हक मिला पुनर्वास का। टांपू में आते आदिवासी फलियों में रहते आदिवासियों का भी पुनर्वास हुआ। लेकिन आज तक जारी है, संघर्ष और संवाद भी। करीबन 200 परिवारों को आधा-अधूरा हक मिला है। जिन्हें नहीं मिली पूरी या सही भूमि, वे मूलगांव

में नहीं किनारे है, साल-साल डूब भुगतते हुए, डटे रहते। कुछ आदिवासी बुजुर्ग गुंजर गये, हक मिलने के पहले... कुछ फंसे हुए हैं, गुजरात में आबटित काशत के लिए अनुपयोगी या अ-संचित जमीन पाकर। महाराष्ट्र का पहला मतदार जिस गांव में है, उस मणिवेली के नाम से दुनिया के 2000 संपत्तियों ने पारित किया था प्रस्ताव, मादिर, स्पेन में विश्व बैंक की 50 साल पूर्ति पर उन्हें चुनौती देते हुए। आज भी मणिवेली में जो बचे हैं परिवार, वे भी 1993-94 में डूब भुगतते थे और आज भी है, पहाड़ की चोटियों पर रहकर, पानी, बिजली, रास्तों की समस्या भुगतते।

मध्यप्रदेश में जो अन्याय भुगत रहे हैं, ऐसे कई आदिवासी, दलित, सभी समुदायों के प्रभावित, 1994 से पहाड़ी क्षेत्र में, तो मैदानी इलाके में 2000 से डूबग्रस्त होकर भी पुनर्वासित नहीं हैं। डूब की भूमि के बदले देने के सुप्रीम कोर्ट के 2017 के आदेश के पालन के लिए सैकड़ों रुके हैं, विधवा, एकल महिलायें भी। गुजरात में विवाद निराकरण ही उद्देश्य होते हुए, ट्रिब्यूनल का फैसला, उसके निर्देशित पुनर्वास के प्रावधान भी मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के लिए रहे हैं, गुजरात के लिए नहीं। आखिर विश्व बैंक के दबाव से गुजरात को पारित करने पड़े कई आदेश, जिससे गुजरात में पुनर्वासित, गुजरात के या महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के (जिन्हें स्वच्छ निर्णय का अधिकार है) विस्थापितों को भी ट्रिब्यूनल आदेश जैसे और अन्य अधिकार भी मंजूर हुए। उन्हें प्राप्त करने में भी आई समस्याएं-आबटित भूमि, भूखंड या सुविधाओं संबंधी- जो आज तक भुगत रहे हैं, सैकड़ों आदिवासी। तीनों राज्यों में भूतपूर्व न्यायाधीशों को सदस्य बनाकर सर्वोच्च अदालत में आंदोलन की यांचिका पर सुनवाई के दौरान जो गठित हुआ, वह शिकायत निवारण प्राधिकरण आज कैसा कमजोर साबित हो चुका है। आज भी कभी नर्मदा घाटी के 7 बांध रद्द करना, फिर वर्षों बाद मंजूर घोषित करना हो रहा है। घाटी के ऊपरी बांधों को पर्यावरणीय शोध और मंजूरी के बिना आगे धकेलना जारी है। अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में पेसा कानून का उल्लंघन करके जारी है। षष्ठ सब कुछ कानून, नीति के साथ जुड़ा अधिकार कुचलकर जब आगे बढ़ता है, तब देशभर के उजाड़े गये करोड़ों लोगों को (जिनमें 1985 के गृह मंत्रालय के अहवाल अनुसार 80 प्रतिशत से अधिक आदिवासी ही थे) जिंदगी बर्बाद होते देखने- जानने वाले तो चुप नहीं बैठ सकते। सरदार सरोवर के किसी भी प्रभावित को तात्कालिक या कायमी डूब से विस्थापित नहीं होने देना, और डूब के कम से कम 6 महीना पहले पुनर्वास पूरा करना, ऐसे कानूनी आदेश को हर न्यायिक आदेश में दोहराने पर भी सर्वोच्च न्यायालय की खुली अवमानना करने वालों पर कौन उल्लेख न्याय का डंडा तकि बचेगा विकास के दायरे में भी संविधान का फंडा?

### संपादकीय

## अनुरा दिसानायके : भारत के लिये मायने

ऐसे वक्त में जब दुनिया भर में दक्षिणपंथी शासकों का वर्चस्व बढ़ चला है, भारत के पड़ोसी मुलुक श्रीलंका में मार्क्सवादी विचारधारा के अनुरा कुमार दिसानायके का रिवोलर को राष्ट्रपति निर्वाचित होना वामपंथ के लिये एक नयी बनार की तरह देखा जा रहा है। पृचीवादी शासन प्रणाली का लम्बा दौर देख चुके इस छोटे से देश ने 55 वर्षीय दिसानायके पर सिर्फ इसलिए भरोसा नहीं जताया है क्योंकि वे एक मजदूर के बेटे हैं, बल्कि उन्हें भ्रष्टाचार से लड़ने तथा आर्थिक सुधारों की आगे बढ़ने वाले राष्ट्रपति के रूप में भी देखा गया है। देश के इतिहास में पहली बार दो दौर की मतगणना के बाद इस पद के लिये हुए चुनाव पर दिसानायके को जीत दिलाने वाले हासिल हुई क्योंकि शीर्ष पर रहे दो उम्मीदवार आवश्यक 50 प्रतिशत वोट प्राप्त नहीं कर सके। उत्तर-मध्य श्रीलंका के एक गांव थम्बुवेलीय का अनुरा दिसानायके जनत विमुक्ति फेरुना (जेवीपी) के नेता हैं जिन्हने नेशनल पीपल्स पावर के साथ गठबन्धन किया हुआ था। 2019 के चुनाव में महज 3 प्रतिशत वोट पाने वाले दिसानायके ने अबकी 42.31 फीसदी मत प्राप्त कर अपने मुख्य

प्रतिद्वंद्वी सजीथ प्रेमदासा (32.76 प्रश) को काफी पीछे छोड़ दिया। सोमवार को उन्होंने शपथ ग्रहण कर ली।

इन दिनों अमेरिका की यात्रा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसानायके को बधाई देते हुए कहा है कि- "भारत की नेबरहुड फर्स्ट की वैदेशिक नीति और दृष्टिकोण से श्रीलंका का खास स्थान है। प्रतिसाद में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भी परस्पर सहयोग के लिये अपनी प्रतिबद्धता जतलाई है। श्रीलंका में भारत के उच्चयुक्त सतोष झा ने दिसानायके से मुलाकात कर भारत की ओर से उन्हें बधाई दे दी है। कहने को मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक दूसरे के प्रति सम्मान दर्शाने वाले बयान दिये हैं। ऐसे मौकों पर औपचारिकताएं ऐसे सद्भावपूर्ण संदेशों का आदान-प्रदान होता है ही, लेकिन देखना यह होगा कि नये राष्ट्रपति का भारत के प्रति और भारत का उनके प्रति नजरिया और व्यवहार क्या रहेगा। पड़ोसी मुलकों के साथ भारत के वैसे मध्य सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो 2014 के पहले हुआ करते थे, यानी कि मोदी के पीएम बनने के पहले थे। ज्यादातर पड़ोसियों के साथ किसी न किसी मुद्दे को लेकर भारत

के सम्बन्ध सहज न रह पाने का एक बड़ा कारण इन सभी देशों पर चीन का बढ़ता प्रभाव रहा है।

श्रीलंका पर भी चीन की निगाहें रखी हैं। गोटाबाया प्रेमदासा के वक्त चीन ने श्रीलंका के एक द्वीप हंबनटोट को अपना सैनिक अड्डा बनाने की कोशिश की थी ताकि वह भारत और सम्पूर्ण हिन्द सागर के क्षेत्र पर दक्षिणी हिस्से से निगाह रख सके। अन्य दूसरे कारणों से (भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, खस्ताहाल अर्थव्यवस्था आदि) प्रेमदासा के खिलाफ जनक्रोध फैला व उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। तथाकथत चीन की इस इलाके में पंटी रुक गयी थी। अब आगे देखा होगा कि इसे लेकर श्रीलंका की नयी सरकार क्या रख अपनाती है। वैचारिक रूप से दिसानायके के चीन के करीब होने से इस्का आशंका तो बनी है कि वे भारत के मुकाबले चीन को ज्यादा तरजीह दें। ऐसे में भारत के लिये मुश्किलें बढ़ सकेंगी हैं। हालांकि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान दौर में मध्यमार्गी होना वाम पार्टियों की भी मजबूरी है और श्रीलंका में कोई भी सरकार आवे, उसे भारत को नजर-दाज करना मुश्किल होगा। वैसे प्रेमदासा

सरकार की नीतियों तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जो नेता सर्वाधिक मुखर थे, उनमें दिसानायके अग्रणी थे। उधर चीन ने इस नतीजे पर खुशी जताई है। चीन के ग्लोबल टाइटम से कहा है कि %दिसानायके के आने से श्रीलंका की भारत पर निर्भरता कम होगी।

वैसे पिछले दिनों जब दिसानायके भारत के दौरे पर आये थे तब उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात की थी। उन्होंने भारत के साथ श्रीलंका के अच्छे सम्बन्धों का हवाला न देकर इसकी जरूरत बतलाई थी। वैचारिक रूप से दिसानायके को भारत-विरोधी समझा जाता है। यही भारत के लिये चुनौती है। हालांकि श्रीलंकाई मामलों के विश्लेषक मानते हैं कि वैचारिक रूप से चीन के नजदीक होने के बावजूद हाल के वर्षों में दिसानायके के विचारों में स्तुलन आया है। वैसे भी विपक्ष में रहते हुए जिस तरह के विचार कोई भी नेता या पार्टी व्यक्त करती है, अक्सर सत्ता सम्पन्ने के बाद उनमें परिवर्तन दिखता है। इसका कारण होता है शासन करने के लिये लचीलेपन की जो आवश्यकता होती है, वह सभी को अपनाती पड़ती है।

## एक देश, एक चुनाव : जनतंत्र और संघवाद पर चोट

सभी जानते हैं कि कोविद कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने के लिए, शुरुआत ही कई विधानसभाओं के कार्यकाल पांच साल की तय अवधि से घटाने या बढ़ाने से करनी होगी, ताकि चुनाव साथ-साथ हो सकें। यानी शुरुआत ही, राज्य विधानसभाओं की स्वायत्तता पर भारी और बुनियादी हमले से की जाएगी।

नरेंद्र मोदी की सरकार ने आखिरकार, तथाकथित %एक देश, एक चुनाव के अपने नारे पर अमल की राह पर कदम उठाने का फैसला कर लिया है। इस दिशा में पहला आधिकारिक कदम उठाते हुए, केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्व-राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कमेटी की सिफारिशों पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा दी। कोविंद कमेटी ने मार्च के महीने में राष्ट्रपति को अपनी सिफारिशें दे दी थीं, जिनमें नरेंद्र मोदी के इस चहते %सुधार% को लागू करने के तरीके सफाए गए हैं। मोदी सरकार के पहले सी दिन पूरे होने और प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन के अगले ही दिन, मंत्रिमंडल के इस फैसले की घोषणा, इससे हैडलाइन प्रबंधन के हित साधे जाने की ओर, काफी साफ तौर पर इशारा करती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सी दिन पूरे होने के जश्न का जितना शोर था, उसे देखते हुए उसकी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने-बताने के लिए कुछ खास चींकि नहीं था, एक देश एक चुनाव के मोदी सरकार के फैसले को ही बड़ी हैडलाइन बनाने की कोशिश की जा रही थी।

इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि मंत्रिमंडल के अनुमोदन की घोषणा के बावजूद, यह स्पष्ट है कि खुद मोदी सरकार भी, अपने इस प्रिय नारे के निकट भविष्य में अमल में आने की कोई संभावना नहीं देख रही है। इसकी वजह सिर्फ यही नहीं है कि इस व्यवस्था को अमल में लाने के लिए, देश के कानूनों में ही नहीं, संविधान में भी इतने सारे संशोधनों की आवश्यकता होगी, जो सब आसानी से होने वाला नहीं है। सभी जानते हैं कि संविधान संशोधनों के लिए संसद के दोनों सदनों से दो-तिहाई बहुमत से अनुमोदन की और कुछ मामलों में आधे से अधिक राशियों के अनुमोदन को भी जरूरत होगी; और अपनी उल्लेखनीय रूप से घटी हुई ताकत के चलते मोदी सरकार अब, विपक्ष के खासे बड़े हिस्से के समर्थन के बिना इन संविधान संशोधनों के पारित होने की उम्मीद कर ही नहीं सकती है।इसी को सच्चाई को देखते हुए, मोदी सरकार के अब तक के मिजाज के विपरीत और उसकी घटी हुई ताकत के अनुरूप, इस योजना को लागू करने के लिए मंत्रिमंडल में से एक इन्टीमेंटेशन रूप के गठन का ही ऐलान नहीं किया गया है बल्कि सरकार की ओर से इसका

भरोसा दिलाने की भी कोशिश की गयी है कि वह तो इस मामले में कंसेंसस यानी सर्वानुमति बनाना चाहती है। कंसेंसस बनाने की इच्छा का यह दिखावा इसे उजागर करने के लिए काफी है कि खुद सरकार भी, इस मामले में जल्दी से कोई प्रगति होने की उम्मीद नहीं रखती है। वास्तव में, सरकार की ओर से उक्त निर्णय की घोषणा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने न सिर्फ इस पर अमल के लिए कोई ठोस समय सीमा बताने से इंकार कर दिया, उन्होंने 2029 के आम चुनाव से इस पर अमल शुरू होने का आश्वासन देने तक से इंकार कर दिया। इस लिहाज से इस फैसले की तुलना, महिला आरक्षण के मोदी सरकार के ही फैसले से किए जाने पर भी किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। महिला आरक्षण के भी 2029 के आम चुनाव तक लागू हो पाने के तो कोई आसार नहीं ही नहीं। नरेंद्र मोदी को बड़े फैसले लेने वाले नेता की आत्मछवि के लिए अब ऐसे फैसलों पर निर्भरता बढ़ती जा रही लगती है, जो प्रचार के लिए तो बड़े फैसले हैं, पर जिनका जमीन पर उतरना बहुत दूर नजर आता है। 2024 के आम चुनाव में भाजपा के बहुमत से नीचे रह जाने और सरकार बनाने के लिए गठबंधन की राजनीति करने पर निर्भर हो जाने के बाद, आम तौर पर ऐसा समझा जा रहा था कि अब मोदी सरकार को, एक देश एक चुनाव और समान नागरिक संहिता जैसे अपने नारों को उठाकर रखना पड़ेगा, जिनको यथाथं में उतारना वैसे भी बहुत मुश्किल था। बहरहाल, तीसरी पारी में भी कुछ भी नहीं बदलने की शुरु से ही छवि बनाने में सचेत रूप से जुटी मोदी सरकार ने, अपने मंसूबों में कुछ बदलाव नहीं होने की हवा बनाने के लिए, एक देश एक चुनाव% के मुद्दे को आगे बढ़ाने का फैसला कर लिया लगता है, भले ही इस पर अमल हो सकने की खुद उसे भी उम्मीद नहीं हो। हैरानी की बात नहीं होगी कि मोदी सरकार अभी कुछ असां इसी बड़े फैसले पर अपना ध्यान केंद्रित रखे और समान नागरिक संहिता के मुद्दे को उतराखंड द्वारा इसके लिए कानून तब बना दिए जाने के बावजूद, फिलहाल पीछे कर दे। यह इसलिए भी संभव है कि समान नागरिक संहिता के पक्ष में तेलुगु देशम, जनता दल (यूनाइटेड) तथा लोक जनशक्ति पार्टी जैसे सहयोगी दलों को साथ बनाए रखना आसान नहीं होगा, जबकि एक देश, एक चुनाव के मुद्दे पर इन पार्टियों को जनतंत्र तथा संघवाद से जुड़ी आम आर्पितियों को पीछे रखने के लिए, अपेक्षाकृत आसानी से तैयार किया जा सकता है। ये पार्टियां वैसे भी किसी सिद्धांतनिष्ठता के लिए नहीं जानी जाती हैं। फिर कंसेंसस बनाने के लिए काम करने का दिखावा भी है, जो सहयोगियों की संभावित आपत्तियों



को फौरी तौर पर स्थगित करा सकता है। और सबसे बढ़कर यह कि यह बहुत दूर का लक्ष्य है, जिसे लेकर सत्ताधारी गठबंधन के लिए तत्काल समस्या पैदा होने की कोई वजह नहीं है।

बहरहाल, सत्ताधारी भाजपा को और उसके सहयोगियों को बचुंबी पता है कि इस मामले में कंसेंसस की बातों का कोई मतलब नहीं है। इसकी वजह यह है कि विपक्ष का बड़ा हिस्सा, जिसमें इंडिया गठबंधन के लगभग सभी दल शामिल हैं, इस योजना के विरोध का रुख अपना चुका है। और यह विरोध, सिर्फ व्यावहारिकता के पहलू से नहीं है, जैसाकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे की केंद्रीय कैबिनेट के फैसले पर पहली प्रतिक्रिया के एक हिस्से को उठाकर, भाजपा ने दिखाने की कोशिश की थी। यह विरोध, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण तरीके से, इस योजना के जनतंत्रविरोधी और उसमें भी सबसे बढ़कर संघवाद विरोधी होने का है। और इस विरोध को कंसेंसस की किसी भी कसरत से पाटा नहीं जा सकता है।सभी जानते हैं कि कोविंद कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने के लिए, शुरुआत ही कई विधानसभाओं के कार्यकाल पांच साल की तय अवधि से घटाने या बढ़ाने से करनी होगी, ताकि चुनाव साथ-साथ हो सकें। यानी शुरुआत ही, राज्य विधानसभाओं की स्वायत्तता पर भारी और बुनियादी हमले से की जाएगी। लेकिन, इसी को संघवाद पर हमले का अंत नहीं

हो जाएगा। साथ-साथ चुनाव होने के बाद, विधानसभाओं का लोकसभा जितनी अवधि तक चलना भी सुनिश्चित करना होगा। कोविंद कमेटी की सिफारिश के अनुसार, पांच साल से पहले किसी सरकार के बहुमत गंवाने के चलते गिर जाने और बहुमत पर आधारित दूसरी सरकार न बन पाने की सूरत में, विधानसभा का मध्यावधि चुनाव तो होगा, लेकिन विधानसभा के बचे हुए कार्यकाल के लिए ही। इस तरह, जीव काल के हिस्सा से भी विधानसभाएं कई श्रेणियों में बंट जाएंगी और न समान कार्यकाल रहेगा और न एक साथ चुनाव। %एक चुनाव% का मूल पूरा तर्क ही बिफल हो जाएगा।

लेकिन, %एक देश, एक चुनाव% की योजना मुख्य समस्या इतनी भर नहीं है कि यह संघात्मक व्यवस्था में राज्यों की और स्थानीय निकायों की भी स्थिति को, बड़े अधिकारों को कमजोर करती है। इस योजना की इतनी ही उन्की समस्या यह भी है कि यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था का ही केंद्रीयकरण कर, केंद्रीय शासन से नीचे के सभी संस्तरों, जैसे राज्य, स्थानीय निकायों का जनतांत्रिक साह छीन लेगी। ऐसा किया जाएगा, इस विशाल और असाधारण रूप से ज्यादा विधिवताओं से भरे देश पर, एक पूरी तरह से एकसूर तथा केंद्रीकृत चुनाव व्यवस्था थोपने के जरिए। संक्षेप में यह योजना, संसद से लेकर पंचायत तक सार चुनाव, एक नरेंद्र मोदी की तत्वीर पर और केंद्रीकृत मुद्दों पर ही कराने की योजना है। इस तरह का चुनाव विकेंद्रीकरण के लक्ष्य को लेकर, जमीनी स्तर की ओर बढ़ते हुए, उत्तरों प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व की व्यवस्था को ही पलटकर, सभी स्तरों पर केंद्र के मिनिस्टर ही थोप रहा होगा। यह जनता के लिए अलग-अलग स्तरों पर, अपने विवेक से अलग-अलग चुनाव की संभावनाओं को ही खत्म कर देगा और हमारे जनतंत्र को अति-केंद्रीकृत कर के, भीतर से पूरी तरह से खोखला कर देगा। हालांकि, कोविंद कमेटी ने स्थानीय निकायों के चुनाव लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव के सी दिन बाद कराने का प्रस्ताव किया है, लेकिन इससे भी स्थानीय निकायों की स्वायत्तता की कोई रक्षा नहीं होने वाली है।

पिछले चुनाव के समय सत्ताधारी भाजपा पर संविधान और जनतांत्रिक व्यवस्था पर हमले का जो आरोप लगा था, %एक देश, एक चुनाव% की योजना के रूप में, सच्चाई का रूप लेता नजर आ रहा है। इंडिया गठबंधन को, संविधान तथा जनतंत्र पर हमले के हिस्से के तौर पर ही इस योजना का मुकाबला करना होगा।

## ये दोस्ती है कमाल की!

### बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पेजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अटखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पेजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।



### थेंबा का साथी एल्बर्ट



मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

### बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी



शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर

है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

# दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही वलास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी वलास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा

रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहाँ से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया। इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

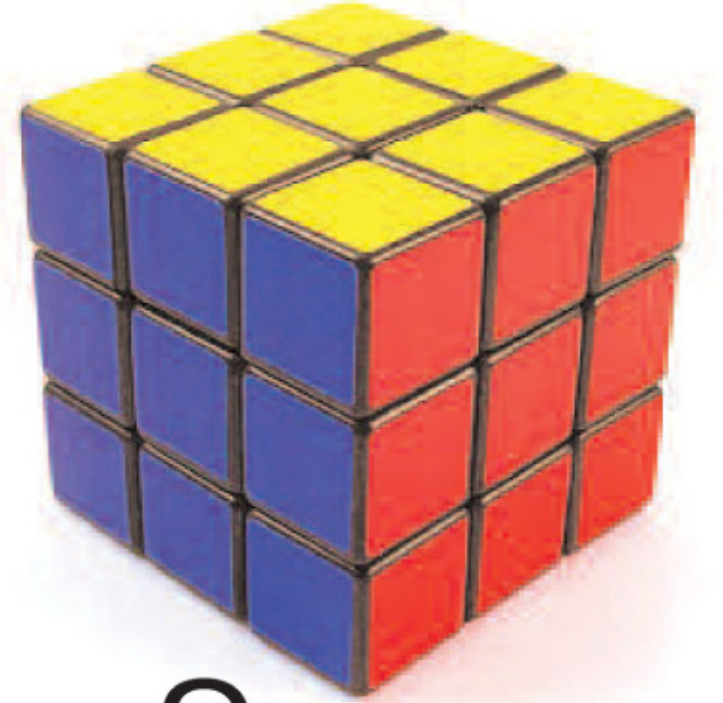
जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी वलास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने वलास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला। जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और वलास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।



## हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के सेंटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।



## रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भागवत नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबिक क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भागवत केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

## एक है कैट आइलैंड

आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर

आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती है। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।



तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मछिखियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मछिखी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के







## अपराधी की कोई जाति नहीं होती, जनता में दहशत फैलाने वाले को मिलेगी सजा : संजय निषाद

**एजेंसी**  
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में मंगलवार सुबह यूपी एसटीएफ ने मोहम्मद जाहिद नाम के एक शख्स का एनकाउंटर कर दिया। जिसको लेकर विपक्ष योगी सरकार पर हमलावर है। गाजीपुर एनकाउंटर पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए योगी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने कहा, अपराधी की जाति नहीं होती है, क्योंकि जो जब अपराध करता है तो जाति देखकर अपराध नहीं करता है। कानून के मुताबिक अपराधी को जगह जेल में होती है। अगर अपराधी पकड़ नहीं जाता है तो वो मारा भी जाता है। ऐसे में विपक्ष को बयानबाजी से बचना चाहिए और जनता के साथ खड़ा होना चाहिए। जनता को दहशत दिखाने वालों को यही सजा मिलनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के लोहिया युवा वाहिनी के नेता रफी खान बबलू को पुलिस ने जाली नोट और अवैध हथियार के मामले में गिरफ्तार किया है। जिसको लेकर उन्होंने कहा कि, जालीदार टोपी वाले और ऐसे ही जाली नोट नहीं छपे तो और क्या करेंगे। सपा को इसपर जवाब देना चाहिए। आप इसी से समझ सकते हैं कि सपा के पास कैसे-कैसे लोग हैं इनकी सरकार के दौरान निषाद आरक्षण की मांग करने वाले एक निषाद समाज के व्यक्ति को मारा गया। फर्जी मुकदमा लगाया गया। उनकी सरकार के दौरान तमाम फर्जी एनकाउंटर हुए, वो उस समय क्यों नहीं बोले? सपा केवल एक वर्ग को खुश करने में लगी हुई है।

## जम्मू-कश्मीर में बीजेपी लहराएगी जीत का परचम : जी किशन रेड्डी

**श्रीनगर।** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि इस बार हमारी पार्टी घाटी में विजय का परचम लहराने जा रही है। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेंते हुए कहा, इस पार्टी का सुपड़ा जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में साफ होना तय है। रहूल गांधी और फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता, जितनी मर्जी चाहे, उनी कोशिश कर लें, लेकिन इन दोनों का कुछ खास होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, बीते दिनों जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर हुए प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने प्रचार कर घाटी की सियासी फिजा को भाजपा के पक्ष में करने का काम किया। इसके बाद से घाटी में भाजपा की जीत की संभावना प्रबल नजर आ रही है। लोगों के बीच भाजपा को लेकर एक सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है, जिसे हमारी पार्टी के लिए शुभ संकेत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए हुए प्रचार में कई केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। सभी ने भाजपा की उपलब्धियों को जनता के बीच पहुंचाने का काम किया। जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हैं। बीजेपी संकल्प रैली का आयोजन जालंधा अजाद स्टेडियम में होने जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में कई बुद्धिजीवी भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शिरकत करेंगे।

## हाईकोर्ट के फैसले से कर्नाटक की जनता और भाजपा की जीत हुई : सीटी रवि

**बेंगलुरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने 'मुझ घोटाले' से जुड़ी उनकी एक याचिका को खारिज कर दिया है। कर्नाटक विधानसभा से भाजपा विधायक सीटी रवि ने से खास बातचीत के दौरान इसको जनता और भाजपा की जीत बताया। दरअसल, मुझ (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) जमीन घोटाले को लेकर कर्नाटक के राज्यपाल धार चंद गहलोत ने सिद्धारमैया के खिलाफ जांच की अनुमति दी थी। मुख्यमंत्री ने इसको असंवैधानिक बताते हुए जांच के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन, हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। कर्नाटक भाजपा के विधायक सीटी रवि ने से बात करते हुए कहा कि, भ्रष्टाचार के खिलाफ जिन-जिन लोगों ने लड़ाई लड़ी है, वे उसके लिए बड़े जीते हैं। इस लड़ाई में भाजपा और आम लोग शामिल हैं। हाईकोर्ट के इस निर्णय का हम स्वागत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीएम सिद्धारमैया के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। उनको मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा देना पड़ेगा। अगर वो इससे आगे अपील करते हैं तो उनका पैसा और समय दोनों बर्बाद होगा। उन्होंने जो वकील फिर्मा है, वो बहुत पैसे वाले हैं। उनके पास इतना सारा पैसा कहाँ से आ रहा है?

## गर्वा में आई अनिवार्य, पहचान छुपाकर लव जिहाद को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता : उषा ठाकुर

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में गर्वा और डांडिया की तैयारी तेज हो गई है। नवरात्रि पर होने वाले गर्वा महोत्सव को लेकर पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने मध्य प्रदेश सरकार से मांग की है कि गर्वा महोत्सव में बिना पहचान पत्र के लोगों को प्रवेश न दिया जाए। उन्होंने कहा कि, नवरात्रि का पर्व शक्ति और साधना का पर्व है। संपूर्ण समाज अपनी शक्ति में वृद्धि करे। शास्त्र और शास्त्र की साधना करे, यही अपेक्षा नवरात्रि हम सब सनातनियों से करती है। मेरा मानना है कि गर्वा में आई अनिवार्य होना चाहिए। जो आए अपनी पहचान छुपा कर न आए, आप अपनी पहचान के साथ आइए। अपने घर परिवार के साथ शामिल होइए, कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन आप पहचान छुपाकर लव जिहाद को बढ़ावा नहीं दे सकते। यह अभियान विगत 20 वर्षों से सतत चल रहा है और आज हर पंडाल जागरूक और सजग है। मैं सीएम मोहन यादव से मिलकर इस बारे में चर्चा करूंगी। मध्य प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि, छोटी बच्चियों के साथ जो दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं, इसको समाज का नैतिक उत्थान ही रोक सकता है। जब तक संस्कारों में नैतिकता और सात्विकता नहीं आएगी, तब तक इन बुद्धियों से नहीं बचा जा सकता है।

# समाज की आधार शक्ति है ओबीसी वर्ग: योगी

**एजेंसी**  
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते साढ़े सात वर्षों में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों से ओबीसी समाज को मुख्य धारा में स्थान मिला है।

उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के नवनिर्वाच्य पदाधिकारियों की बैठक में श्री योगी ने कहा कि ओबीसी और विश्वकर्मा समूह सम्मान जैसी योजनाओं के केंद्र में ओबीसी समाज ही है। सरकार की लाभार्थीपरक योजनाएं हैं अथवा आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकारों का लाभ, वर्तमान सरकार में ओबीसी समाज पूरा लाभ प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग के पदाधिकारियों को जिला प्रवास के दौरान सरकार के प्रयासों/कार्यक्रमों के बारे में समाज से संवाद करना चाहिए। वहां से प्राप्त फीडबैक से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाना अपेक्षित है। यदि कतिपय कारणों से किसी को योजना का लाभ नहीं मिल सका है, तो उनके लिए आयोग द्वारा संस्तुति भी की जानी चाहिए।



गतिविधियों को और अधिक जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज को राष्ट्रवाद की मुख्याधार से जोड़ते हुए उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आयोग को सकारात्मक भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग समाज के युवाओं में बहुत प्रतिभा और मेधा है, आवश्यकता उन्हें मंच देने की है। आयोग को इस दिशा में बेहतर कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को

आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों के लिए पर्याप्त कक्षाओं की उपलब्धता कराने तथा आयोग के सुचारु क्रियाकलाप के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

## एबीवीपी उम्मीदवारों ने छात्रों से किया संवाद, इसू चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान का आह्वान

**एजेंसी**  
नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से इसू चुनावों में शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की है। एबीवीपी इसू फैलत से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार ऋषभ चौधरी, उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार भानु प्रताप सिंह, सचिव पद की प्रत्याशी मित्रविंदा कर्णवाल और संयुक्त-सचिव प्रत्याशी अमन कर्पासिया ने चुनाव प्रचार के दूसरे दिन दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी विभागों और कालेजों में संपर्क के दौरान उन्हें इसू में छात्रावास निर्माण, मेट्रो पास, नए हॉस्टल के निर्माण आदि मुद्दों से अवगत कराया व शत प्रतिशत मतदान करने की अपील छात्रों से की है। इसू अध्यक्ष पद प्रत्याशी ऋषभ चौधरी और इसू सचिव प्रत्याशी मित्रविंदा कर्णवाल ने नार्थ कैम्पस कॉलेज के तोग बहादुर खालसा कॉलेज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, रामजान कॉलेज, किरोड्रीनल कॉलेज, हंसराज कॉलेज, हिंदू कॉलेज, आदि कालेजों में प्रचार किया और इसू उपाध्यक्ष पद प्रत्याशी भानु प्रताप सिंह और इसू संयुक्त सचिव प्रत्याशी अमन कर्पासिया ने साउथ कैम्पस के कालेजों

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, आत्माराम सनान धर्म कॉलेज, मोलालल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, राजधानी आदि



कालेजों में एबीवीपी द्वारा उठाए गए मुद्दों को छात्रों के बीच रखते हुए मतदान करने की अपील की है। एबीवीपी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावों को जनान्वयन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा रही है। एबीवीपी की इसू में सक्रियता वर्ष भर रहती है और पर्यावरणीय, खेल, सेवा कार्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर एबीवीपी की चलाई गई गतिविधियों के सकारात्मक

प्रभाव के बारे में भी इसू प्रत्याशी बता रहे हैं। एबीवीपी के फैलत से इसू में अध्यक्ष पद प्रत्याशी ऋषभ चौधरी ने कहा कि, इसू छात्रसंघ चुनाव में मत

प्रतिशत बढ़ सके, इसलिए कैम्पस के दौरान छात्रों से हम प्रत्याशी विशेष आग्रह कर रहे हैं। इसू में सकारात्मक परिवर्तन के लिए एबीवीपी फैलत प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय में बुनियादी सुविधाओं के विकास के मुद्दों को एबीवीपी प्रमुखता से उठा रही है, विद्यार्थियों का हमें व्यापक सहयोग तथा सकारात्मक फीडबैक मिल रहा है। इसी क्रम में एबीवीपी के फैलत से इसू में

## रियासी में इलेक्शन ड्यूटी पर जा रहा वाहन खाई में गिरा, दो की मौत

**एजेंसी**  
रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी क्षेत्र में दूसरे चरण की वोटिंग से पहले एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इलेक्शन ड्यूटी पर जा रहा एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि वाहन में सवार लोग होने वाली दूसरे चरण की वोटिंग के लिए ड्यूटी पर जा रहे थे।

तभी रियासी के गुलाबगढ़ इलाके में तुकसत के पास वाहन अचानक गहरी खाई में जा गिरा। हादसे के वक्त वाहन में कई लोग सवार थे, इनमें से दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा एक शख्स घायल है। डीसी रियासी विशेष महाजन के मुताबिक, मुकदों की पहचान चालक जावेद अहमद और पुलिसकर्मी एजाज अहमद खान के रूप में हुई है। जावेद अहमद, रियासी

का रहने वाला है, जबकि एजाज अहमद खान, राजौरी का निवासी है इस घटना की जांचकारी मिलने के बाद मौक पर पहुंची पुलिस ने शवों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से निकाला और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इसके साथ ही घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण के मतदान के लिए होना है।

## नये मंत्री अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ करें: मान

**एजेंसी**  
चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य मंत्रिमंडल में शामिल नये मंत्रियों से कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ करें, जिससे जनहितैयी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जा सके। श्री मान ने कहा कि राज्य की जनता ने उन्हें भारी बहुमत देकर सभी पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि लोगों की भलाई और राज्य की तरक्की के लिये कड़ी मेहनत करना हर मंत्री का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि राज्य के गौरव को बखल करना और पंजाब को देश में अग्रणी राज्य बनाना समय की मांग है।



## ट्रक की टक्कर से ऑटोरिक्षा सवार सात की मृत्यु, तीन अन्य घायल

**दमोह।** मध्यप्रदेश के दमोह जिले में कटनी मार्ग पर आज एक ट्रक की टक्कर से ऑटोरिक्षा सवार सात लोगों की मृत्यु हो गयी और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के देहात थाना क्षेत्र के समन्ता गांव के पास एक ट्रक ने ऑटोरिक्षा को टक्कर मार दी। इस वजह से सात लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने



पर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। ऑटोरिक्षा पूरी तरह से ट्रक की चपेट में आ गया था। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले भेजा गया। ऑटोरिक्षा की पहचान आलोक के रूप में हुयी है, वहीं पुलिस ने छारपुर जिले के बरसवाहा निवासी ट्रक चालक नीरज सिंह लोधी (22) को गिरफ्तार कर लिया है। ऑटोरिक्षा में सवार व्यक्ति जिले के ही निवासी बताए गए हैं। ट्रक ने ऑटो को पीछे से टक्कर मारी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक के आश्रितों को दो दो लाख रुपए और घायलों को पचास पचास हजार रुपए की सहायता की घोषणा की है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज कराया जाए।

## योगी आदित्यनाथ सीएम होकर, विपक्ष की भाषा बोल रहे हैं : मनीष हिंदवी

**एजेंसी**  
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में आए दिन खानपान की चीजों में गंदगी मिलाने वाली खबरों पर संज्ञान लेते हुए सख्त जांच के आदेश देते हुए कहा कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने उन पर विपक्ष की तरह भाषा बोलने का आरोप लगाया है।



उन्होंने बात करते हुए कहा, सवाल मुख्यमंत्री के आदेश देने का नहीं है, सवाल यह है कि सीएम योगी आठ साल सत्ता में रहने के बाद भी विपक्ष की भाषा क्यों बोल रहे हैं? उनको यह समझना होगा कि वह मुख्यमंत्री हैं। उनकी सरकार के सात साल पूरे हो गए हैं। आठवां शुरू हो गया। वह सत्ता में हैं और अभी भी वह कह रहे हैं कि जांच कराई जाएगी। ऐसा नहीं होना चाहिए। आपकों कार्रवाई करने से रोका किसको? प्रशासन आपको है। पुलिस आपकी, सिस्टम आपका। आप अपराधियों को पकड़ें। आप उनको सजा दिलाइए किसे रोका उन्होंने आगे कहा कि बात यह है कि

मुख्यमंत्री पूरी तरह से विफल हो गए हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटने के बजाय बढ़ गए हैं। वहीं यह आपराधिक भाषा प्रयोग करते रह गए। मार डालो, मार डालो, मिट्टी में मिला देंगे। जब मुख्यमंत्री कुछ कहते हैं तो मुझे लगता है कि यह किस तरीके की भाषा है। यह आपराधिक भाषा है। इस आपराधिक भाषा के आधार पर यह कानून के राज के बजाय पुलिस का राज बनाना आइए है। उत्तर प्रदेश में यह सरकार पूरी तरीके से असफल हो गई है।

## हरियाणा को बदनाम करने की जरूरत नहीं, कांग्रेस का विधानसभा चुनाव में होगा सफाया : शाहनवाज हुसैन

**एजेंसी**  
नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हरियाणा में बेरोजगारी का मुद्दा उठाने पर भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने पलटवार करते हुए कहा, हरियाणा में लोगों को रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं, इनमें दूसरे राज्यों से आने वाले लोग भी शामिल हैं। राज्य पक्कात या रिश्तत पर काम नहीं करता है और सबसे ज्यादा सरकारी नौकरियां हरियाणा में प्रदान की गई हैं। राहुल गांधी को हरियाणा को बदनाम करने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा खेल में आगे है। फीज में आगे है। उद्योगों और कृषि में अग्रणी है। यहां फैक्ट्रियों सबसे ज्यादा हैं। किसानों सबसे ज्यादा होती है। हरियाणा अपना विधानसभा चुनाव देने के साथ बाहर के भी लोगों को भी रोजगार देता है। खर्ची और पच्ची से हरियाणा नहीं चलता है। सरकारी रोजगार भी पिछले दस सालों में सबसे

ज्यादा हरियाणा में दिए गए हैं। हरियाणा के भी कुछ लोग रोजगार के लिए अवैध रूप से बाहर जाते हैं, लेकिन पूरे हरियाणा को बदनाम करना सलिसता सामने आती है और अब जाली नोट के मामले में भी शामिल पाए गए हैं। सपा के नेताओं के यहां इतना नोट कहां से आया, इसका उन्हें जवाब देना होगा।

दरअसल कुशीनगर पुलिस ने सोमवार को नकली नोट बनाने वाले गिरोह के दस सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सपा की लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव रफी खान इस गैंग का मास्टरमाइंड है। बदलापुर एनकाउंटर मामले में उन्होंने कहा कि, बदलापुर का आरोपी पुलिस से हथियार छिन कर फायर कर रहा था और पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसकी मौत हो गई। विश्व इस मामले का राजनीतिकरण क्यों कर रहा है। महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। जब पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की, तो आरोपी मारा गया। इस पर राजनीति? नहीं होनी चाहिए।

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी का शायद गृहण समारोह अरविंद केजरीवाल की कृपा से नहीं हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने केजरीवाल को मुख्यमंत्री कार्यालय जान से मना कर दिया, इसके बाद वह घटनाक्रम देखने को मिल रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि जो खाली कुर्सी रखी गई है, उस पर सीएम केजरीवाल के जेल का फोटो घोटाले के रकम के साथ लगाया जाएगा। तब वो कुर्सी बहुत सुंदर लगेगी। उन्होंने कहा कि, नई पीढ़ी और खासकर के विधायिका के लोग जाएंगे तो दर्शन करेंगे कि केजरीवाल ने सोमवार का किस तरह से मजाक उड़या है। लोकतंत्र लोक लाज की बुनियाद पर चलता है, लेकिन केजरीवाल ने सभी मर्यादाओं को तार-तार कर दिया। वह भरत की कुर्सी नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार की कुर्सी है। केजरीवाल नाखून कटाकर शहीद होने का नाटक कर रहे हैं। वहीं राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी समझदार हैं और उनके अंदर कई भावनाएं निहित हैं। राजकाज चलाना वाला व्यक्ति अगर

## मुख्यमंत्री आतिशी ने कैबिनेट मंत्रियों साथ की बैठक

**एजेंसी**  
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने पदभार ग्रहण करने के बाद कैबिनेट मंत्रियों व दिल्ली सरकार के सभी विभागाध्यक्षों साथ सरकार के कामकाज को लेकर बैठक की। बैठक में कैबिनेट मंत्री गोपाल राव, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मकुंश अहलावत शामिल रहे। साथ ही दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेद सहित सरकार के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली में नैतत अफसरों की पूरी जबाबदेही दिल्ली के लोगों के प्रति है। दिल्ली के लोगों द्वारा दिए टैक्स से ही हम सभी के घर चलते हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम करें और लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी

पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि पॉजिट में खड़े आंधिखी



व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएं पहुंचे और सरकार उसकी उम्मीदों पर खरा उतरे। ऐसे में दिल्ली सरकार और अफसर मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली में हर जरूरतमंद तक सरकारी सुविधाएं पहुंचें और उन्हें एक

सम्मानजनक जीवन मिल सके। आतिशी ने अधिकारियों ने कहा, अफसरों के काम से दिल्ली के लोगों

की जिंदगी पर बड़ा प्रभाव पड़ता है, ऐसे में दिल्ली के सभी अफसरों की ये जिम्मेदारी है कि वो दिल्ली के लोगों को बेहतर के लिए काम करें। सरकार के रूप में हम अधिकारियों को पूरा सहयोग देंगे।

## झारखंड के हेमंत राज में माटी, बेटी, रोटी, कुछ भी सुरक्षित नहीं : शिवराज सिंह चौहान

**एजेंसी**  
गोड्डा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी की 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान गोड्डा के गांधी मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि झारखंड में गठबंधन की बेईमान सरकार चल रही है। जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने पांच सालों में राज्य को तबाह कर दिया। हेमंत सरकार में माटी, बेटी और

रोटी सुरक्षित नहीं है। बड़ी संख्या में घुसपैठियों के आने से झारखंड की जनता पर कब्जा हो रहा है, क्या झारखंडी इसे सहन करेंगे? हेमंत सरकार वोटों के लालच में घुसपैठियों के नाम वोट लिस्ट में दर्ज करवा रही है। अगर यह सिलसिला इसी तरह चलता रहने तो 15-20 सालों में झारखंडी अपनी जमीन खो जाएगी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पहले झारखंड में 44 प्रतिशत आदिवासी थे, अब केवल 28 प्रतिशत

बचे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठिए छन-कपट से कहां की बेटियों से शादी कर सता पर काबिज हो रहे हैं। रबिका पहाड़िन जैसी बेटियों को बर्बत से मारा जा रहा है। क्या इससे झारखंडियों का खून नहीं खौलता? भाजपा का संकल्प है कि झारखंड की माटी, बेटी और रोटी की सुरक्षा की जाए।

उन्होंने 2019 में हेमंत सोरेन की ओर से राज्य के युवाओं को हर साल 5 लाख सरकारी नौकरी देने के वादे का जांच करके हुए सवाल पूछ कि क्या झारखंड के युवाओं को नौकरी मिली? सच तो यह है कि इस सरकारी नौकरी को नौकरी और वदे के बजाय कर्मण दिया। परीक्षा के नाम पर इंटरनेट बंद करके पेपर लीक नहीं होने देने का वादा किया, जबकि लोक तो सरकारी के दलाल कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने वादा किया कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही 2.87 लाख खाली पदों को भरने का आदेश दिया जाएगा। परीक्षाओं का कैलेंडर बनाएंगे। यहाँ तक के युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। झारखंड सरकार को मईयां सम्मान योजना को चुनावी स्टंट बताते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही उन्हें मईयां की याद आई है, लेकिन यहाँ की माताएं-बहनें भुली नहीं हैं कि उन्होंने तो हर महीने 7 हजार रुपये चूल्हा खर्च देने का वादा किया था। 4 साल 10 महीने बाद भी किसी की सरकार बनते ही 2.87 लाख खाली पदों को भरने का आदेश बनाएंगे। यहाँ तक के युवाओं को

बनाया जाएगा, जैसा कि मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में 'लाकली योजना' के तहत किया जा रहा है।(इन्होंने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर ओडिशा की तर्ज पर झारखंड में भी 3 हजार रुपए प्रति किलॉड की दर से थारा खरीदा जाएगा। पीएम मोदी ने हर बहन को लखपति बनाने का संकल्प लिया है और हमारी सरकार बहनों की आमदनी 1 लाख रुपये से ज्यादा करने का लक्ष्य लेकर चलते है।)

अनुकरण करता है और अच्छे चीजों को मानक मानते हुए उसे सर्वे अपने बगल में रखता है, तो उससे उसे शक्ति मिलती है। अरविंद केजरीवाल लंबे समय तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे और आप पार्टी के

रुष्ट्रीय संयोजक भी हैं। स्वाभाविक तौर पर जो अनुकरण का काम उन्होंने दिल्ली के विकास के लिए किया होगा, वो आतिशी के लिए अनुकरणीय होगा। भाजपा के सांसद मनोज तिवारी ने सोमवार को आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग भ्रष्टाचार के आरोप में जेल से बेल पर बाहर आए हैं और अपनी तुलना भगवान राम से करेंगे। क्या भगवान राम पर अंधकार के भ्रष्टाचार की कुर्सी है। आज लोग दिल्ली शराब घोटाले और राजस्व के लूट से परेशान हैं। बिजली और पानी के बढ़े बिलों से परेशान हैं, बुजुर्गों की पेंशन बंद होने से परेशान हैं, गरीब राशन कार्ड नहीं बनने से परेशान हैं। हमसीडी और पीडब्ल्यूडी के नाले बंद होने से जनता परेशान है।



### प्रिंसेस जुलियाना एयरपोर्ट

जुलियाना एयरपोर्ट कैरिबियाई द्वीप में बना हुआ है, जो इसलिये खतरनाक माना जाता है क्योंकि यहां के रनवे पर उतरने से ठीक पहले हवाई जहाज को एक सड़क के ऊपर से गुजरना होता है। एक ऊंची दीवार भी इस रोड के किनारे बनी हुई है, जिस वजह से पायलट को जहाज उतारते वक्त खासा नियंत्रण रखना होता है। रनवे से ठीक पहले बनी इस रोड पर ट्रैफिक चलता रहता है और लोगों का आवागमन जारी रहता है। इस एयरपोर्ट का निर्माण 1942 में मिलिट्री एयरबेस के रूप में किया गया। 1943 में इसे सामान्य लोगों के लिये खोल दिया गया। उसके बाद 1964 में इसमें कई नये रनवे बनाये गये। 1944 में इस एयरपोर्ट का नाम नीदरलैंड्स की राजकुमारी जुलियाना के नाम पर रखा गया।

### आइस रनवे

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, इसका रन वे का निर्माण बर्फ को ठीक प्रकार से फैला कर किया गया है। इसका प्रयोग मैकमुर्डो स्टेशन में काम करने वाले खोजकर्ता करते हैं। यहां छोटे-छोटे एयरक्राफ्ट लैण्ड करते हैं, ऐसे में लैण्ड करते समय पाइलेट को प्लेन के भार को ध्यान रखना पड़ता है कि कहीं भारी होने के कारण बर्फ की परत टूट न जाये। ऐसे में बड़ी दुर्घटना की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। यह यूनाइटेड स्टेट्स के अंटार्कटिक कार्यक्रम का मुख्य रनवे है। इस रनवे पर विशेष प्रकार के प्लेन या एयरक्राफ्ट लैण्ड करवाए जाते हैं। इस रनवे का प्रयोग दिसम्बर के पहले सप्ताह तक किया जाता है, इसके बाद रनवे की बर्फ टूटने लगती है। इस पर 450,000 पाउण्ड का एयर क्राफ्ट लैण्ड कर सकता है।



जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, इसका रन वे का निर्माण बर्फ को ठीक प्रकार से फैला कर किया गया है। इसका प्रयोग मैकमुर्डो स्टेशन में काम करने वाले खोजकर्ता करते हैं। यहां छोटे-छोटे एयरक्राफ्ट लैण्ड करते हैं, ऐसे में लैण्ड करते समय पाइलेट को प्लेन के भार को ध्यान रखना पड़ता है कि कहीं भारी होने के कारण बर्फ की परत टूट न जाये। ऐसे में बड़ी दुर्घटना की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। यह यूनाइटेड स्टेट्स के अंटार्कटिक कार्यक्रम का मुख्य रनवे है। इस रनवे पर विशेष प्रकार के प्लेन या एयरक्राफ्ट लैण्ड करवाए जाते हैं। इस रनवे का प्रयोग दिसम्बर के पहले सप्ताह तक किया जाता है, इसके बाद रनवे की बर्फ टूटने लगती है। इस पर 450,000 पाउण्ड का एयर क्राफ्ट लैण्ड कर सकता है।

### सेवेलबार्ड एयरपोर्ट, नार्वे

यह हवाई अड्डा नार्वे में स्थित है, जो एक द्वीपसमूह पर बना हुआ है। इंजीनियरों ने यहां के बेहद ठंडे वातावरण का लाभ उठाते हुए, इसे पर्माफ्रॉस्ट की परत पर बनाया है। पर्माफ्रॉस्ट एक तरह की चट्टान होती है, जो आम तौर पर बर्फीली जगहों पर पाई जाती है। लेकिन र्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फ पिघलने से इसकी हवाई पट्टी का दोबारा निर्माण किया है। बर्फ के लगातार पिघलते रहने से इसके निर्माण में जल्द ही परिवर्तन किया गया है। इस एयरपोर्ट का निर्माण द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हुआ था। उस दौरान एयरपोर्ट को इस्तेमाल किए जाने के बाद बंद कर दिया गया। कई साल बाद 1959 में फिर से उड़ानों का संचालन शुरू हुआ और वो भी बहुत कम संख्या में। 1973 में इसका पुनर्निर्माण किया गया और व्यापक स्तर पर यहां से विमान उड़ान भरने लगे। कुल मिलाकर यदि आप एयरपोर्ट के बाहर खड़े होकर नजारा देखेंगे तो आप भी भौचक्के रह जाएंगे।



### मैडीरा एयरपोर्ट, पुर्तगाल

पुर्तगाल के एक पहाड़ पर स्थित मैडीरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण किए जाने के वक्त इसके रनवे की लंबाई 5000 फुट थी। उस दौरान कई विमान लैंड करते वक्त व उड़ान भरते वक्त पहाड़ियों से टकराए। इसे देखते हुए रनवे की लंबाई बढ़ाकर 9000 फुट कर दी गई, लेकिन यह विस्तार खर्चों पर किया गया। इस एयरपोर्ट का आधा रनवे करीब 200 खंभों पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे खतरनाक हवाई अड्डों में से एक माना जाता है। पहले इसका नाम सैंटा कैटरीना एयरपोर्ट था, बाद में यहां से 13 किलोमीटर दूर सैंटा क्रूज में सैंटा कैटरीना एयरपोर्ट बनने के बाद इसका नाम मैडीरा एयरपोर्ट रख दिया गया। यहां से पुर्तगाल की कई अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय उड़ानें रोज गुजरती हैं। इस एयरपोर्ट के एक तरफ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ हैं और एक तरफ समुद्र है। एयरपोर्ट पर हवाई जहाज को लैंड कराना आम पायलट के बस की बात नहीं। यहां पर अनुभवी पायलटों को ही लैंडिंग की इजाजत दी जाती है। इस हवाई अड्डे का विस्तारित रनवे जिन खंभों पर टिका हुआ है, उनकी ऊंचाई 60 से 70 मीटर तक है। इस एयरपोर्ट का निर्माण 1964 में हुआ था। पहले इस एयरपोर्ट को ज्यादा लोग नहीं जानते थे, लेकिन रनवे के अलौकिक विस्तार के बाद से यह विश्व प्रसिद्ध हवाई अड्डा बन गया।



### सबा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

यह एयरपोर्ट पहाड़ियों के बीच बना हुआ है, तीनों ओर से समुद्र से घिरा हुआ है। इस एयरपोर्ट का रनवे बेहद छोटा होने के कारण इस पर उड़ान भरना बेहद खतरनाक है। इस पर एक 'X' के आकार का निशान बनाया है जिसका मतलब है कि यहां पर लैण्ड करना मना है। यह अनुभवी पाइलेट के लिए भी एक चुनौती है। इसकी गोल स्थलाकृति के कारण इस पर प्लेन का लैंड करना और भी मुश्किल होता है। इसका रनवे मात्र 400 मीटर का है जिससे टेक ऑफ और लैंडिंग के वक्त प्लेन के आसपास की चट्टानों से टकरा जाने या संतुलन न बन पाने के कारण समुद्र में गिर जाने की संभावना अधिक होती है। इस एयरपोर्ट को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यहां पर स्थानीय, प्रशिक्षित और अनुभवी एयरक्राफ्ट के पाइलेट ही प्लेन लैंड करते हैं।



### जिब्राल्टर, स्पेन

यह प्रायद्वीप स्पेन जाने वाले पर्यटकों में अत्यंत लोकप्रिय है, लेकिन यहां आना अत्यंत रोमांचक है। जगह की कमी के कारण हवाई अड्डे का रनवे अत्यंत व्यस्त सड़क से गुजरता है, जिसे हर

उड़ान और लैंडिंग के लिए रोकना पड़ता है। दुनिया में और कहीं ऐसी क्राइस नहीं।

### बारा, स्कॉटलैंड

स्कॉटलैंड के बारा द्वीप पर समुद्र की लहरें हवाई परिवहन को तय करती हैं। ज्वार भाटे का पानी

आने से उत्तरी अटलांटिक में स्थित हवाई पट्टी डूब जाती है और जहाज का उतरना खतरे से खाली नहीं होता। लेकिन इस द्वीप पर और कोई दूसरा हवाई अड्डा नहीं है।

### माले, मालदीव

जहाज पर बैठ कर हवाई पट्टी को देखें तो तुरंत विश्वास हो जाता है कि मालदीव के समुद्र में डूब जाने का खतरा सच्चा है। माले का रनवे हलहले एयरपोर्ट राजधानी से दो किलोमीटर दूर एक कृत्रिम द्वीप पर बनाया गया है।

दोस्तों, यदि आप किसी विमान में सफर कर रहे हैं और विमान एयरपोर्ट पर लैंड करते समय पहाड़ियों के करीब से गुजरे, या समुद्री तट को छूते हुए निकले तो जाहिर है आपकी सांसें धम जाएंगी। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है, लेकिन हम जिन हवाई अड्डों के बारे में बताने जा रहे हैं, वहां ऐसा रोजाना होता है। यही कारण है कि इन पांच हवाई अड्डों को विश्व के खतरनाक हवाई अड्डों में गिना जाता है।

# दुनिया के खतरनाक हवाई अड्डे



## एलईडी की कहानी

इस साल भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार ब्यू एलईडी के आविष्कारक को मिला है। दरअसल यह ब्यू एलईडी बेहद खास है और इसके आविष्कार से विज्ञान जगत को काफी फायदा मिला रहा है। नीले (ब्यू) एलईडी के अलावा पहले से मौजूद लाल और हरे एलईडी भी अपनी तेज रोशनी से लोगों को अर्चभित कर देते हैं।

### एलईडी से मिला सम्मान

जापानी मूल के अमेरिकन वैज्ञानिक शुजी नाकामुरा और जापानी वैज्ञानिक इसामु अकासाकी व हिरोशी अमानो को नीले एलईडी के आविष्कार के लिए संयुक्त रूप से वर्ष 2014 का भौतिकी का नोबेल मिला है। दरअसल इस नीले एलईडी को बनाने के लिए पिछले 30-40 साल से वैज्ञानिक प्रयासरत थे। इसके निर्माण से सफेद एलईडी बनाना संभव हो पाया है।

### कैसे बनती है सफेद रोशनी

दोस्तों, तुमने साईंस में पढ़ा होगा आरजीबी कॉम्बिनेशन। आरजीबी कॉम्बिनेशन मतलब रेड (लाल), ग्रीन (हरा) और ब्यू (नीला) को जब एक साथ मिला दिया जाता है तो व्हाइट (सफेद) रंग तैयार होता है। सफेद रोशनी के लिए भी यही आरजीबी फॉर्मूला लागू होता है। लाल और हरे एलईडी का आविष्कार तो काफी पहले हो चुका था, लेकिन नीले एलईडी के नहीं होने की वजह से सफेद रोशनी का बनना मुश्किल था। अब जब नीले एलईडी का सफल आविष्कार हो चुका है तो आसानी से सफेद एलईडी बल्ब बनने लगा है। यह सफेद एलईडी बल्ब आधुनिक तकनीकों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है।

### एलईडी ऐसा होता है

एलईडी का पूरा नाम लाइट इमिटिंग डायोड है। यह रोशनी का प्रमुख स्रोत है, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए भी काफी मददगार है। इसका प्रयोग बहुत सारी तकनीकों में हो रहा है। 1968 में इसका पहला सफल निर्माण हुआ, हालांकि इसके बनने की प्रक्रिया 1927 से ही शुरू हो गई थी। सामान्य बल्ब वायर फिलामेंट की वजह से रोशनी देता है, जबकि सेमीकंडक्टर में इलेक्ट्रिक करंट पहुंचने से एलईडी प्रकाशित होता है।

### टेक्नोलॉजी जगत पर एलईडी का कब्जा

आज अधिकांश तकनीकों में एलईडी का इस्तेमाल होता है। सामान्य लाइटिंग के अलावा इंडिकेटर, कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, एलईडी टीवी, एलसीडी टीवी, बाइक व कार के हेडलैंप्स, स्ट्रीट लाइट, एचिएशन लाइटिंग, ट्रैफिक सिग्नल, कैमरा, एक्वेरियम और अन्य कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इसका उपयोग किया जा रहा है।

## कुछ रोचक बातें

- सामान्य बल्ब से बिजली के झटके (शॉक) लग सकते हैं, लेकिन एलईडी से झटका नहीं लगता। इसमें शॉक रेसिस्टेंस पावर होता है।
- मर्करी वायु प्रदूषण का एक मुख्य कारण है। सीएफएल बल्ब में इसका इस्तेमाल होता है, इस वजह से इसे प्रदूषण का कारण माना जाता है। लेकिन एलईडी में हानिकारक मर्करी का उपयोग नहीं होता और यह ईकोफ्रेंडली है।
- साधारण बल्ब से पांच गुना अधिक और सीएफएल बल्ब से भी काफी तेज रोशनी देता है एलईडी।
- एलईडी बल्ब 25 हजार घंटे से एक लाख घंटे तक आसानी से जलता है। यह इतना अधिक समय है कि सालों-साल तक अपनी रोशनी दे सकता है, जबकि सीएफएल बल्ब 10-15 हजार घंटे और सामान्य बल्ब मात्र एक से दो हजार घंटे तक जल सकता है।
- 1970-80 के दशक में तैयार एलईडी हाल के कुछ वर्षों तक आसानी से काम करता रहा है।
- एलईडी बल्ब गर्म नहीं होता है, इसलिए इसे कूल लाइट भी कहा जाता है।
- दुनियाभर में इलेक्ट्रिसिटी का 20 फीसदी रोशनी के लिए उपयोग होता है। अगर इन जगहों पर एलईडी का उपयोग शुरू हो जाए तो वह इसे घटाकर मात्र 4 फीसदी कर सकता है।

## मौत को खुली दावत देते हवाई अड्डे

### काई टाक हवाई अड्डा

यह हवाई अड्डा चारों तरफ से पर्वतों से घिरा है। पायलट को इन सबके बीच रास्ता बनाते हुए विमान को लैंडिंग करानी होती है!

### नारसरसुआक हवाई अड्डा ग्रीनलैंड

यह हवाई अड्डा दक्षिण ग्रीनलैंड के नारसरसुआक हवाईअड्डे का रनवे सीधे झील की तरफ जाता है। पायलट की जरा सी गलती विमान को सीधे झील के अंदर ले जा सकती है।

### ल्यूगानो एंगलो

इस एयरपोर्ट पर विमान लैंड कराना खतरे की घंटी है। इसका रनवे 6.65° पर झुका हुआ है जो कि सामान्य से दुगना है। यह हवाई अड्डा एक पर्वत के ऊपर बना है।

### कैम्बो बाग्ना

कैम्बो बाग्ना हवाई अड्डा सबसे ऊंचा हवाई अड्डा माना जाता है, जो कि समुद्र तल से 4334 मीटर ऊपर है। अक्सर यहां जहाज का इंजन हवा के उच्च दाब का शिकार हो जाता है व स्टार्ट होने में वक्त लेता है।

## ईसीबी महिला घरेलू खिलाड़ियों को 2025 से मूल वेतन समानता प्रदान करेगा

एजेंसी लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने लैंगिक समानता की दिशा में एक और कदम उठाया है, जिसके तहत 2025 से घरेलू क्रिकेट में न्यूनतम शुरुआती वेतन पुरुषों और महिलाओं के पेशेवर खेलों में समान कर दिया जाएगा। यह कदम, जो नई महिला काउंटी प्रतियोगिता के पहले सत्र के साथ मेल खाएगा और 'सीनियर प्रो' स्तर पर उन खिलाड़ियों के लिए लागू होगा, जिन्होंने खुद को पहली टीमों में स्थापित किया है। यह घोषणा जून 2023 में क्रिकेट में समानता के लिए स्वतंत्र आयोग (आईसीडीसी) की रिपोर्ट के मद्देनजर की गई है, जिसमें इंग्लैंड और वेल्स में महिला क्रिकेट के वेतन ढांचे में मौलिक बदलाव की बात कही गई थी। रिपोर्ट में पाया गया कि इंग्लैंड की महिलाओं का औसत वेतन उनके पुरुष समकक्षों का 20.6% था (हालांकि ईसीबी ने उस आंकड़े को 30% के करीब माना था), और 2029 तक घरेलू स्तर पर और 2030 तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वेतन को समान करने का लक्ष्य निर्धारित किया। हालांकि ईसीबी ने खेल में पूर्ण समानता प्राप्त करने के लिए रिपोर्ट की समय-सीमा पर जोर दिया, लेकिन न्यूनतम वेतन के लिए उनकी प्रतिबद्धता क्रिकेट को करियर विकल्प के रूप में मानने वाले युवा खिलाड़ियों के लिए अवसर की समानता प्रदान करने की आवश्यकता को दर्शाती है।

## पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए नोमान अली, आमिर जमाल को टीम में किया शामिल

कराची। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली और आमिर जमाल की वापसी हुई है। नोमान ने पाकिस्तान के लिए कुल 15 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 47 विकेट लिए हैं। 37 वर्षीय इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपना आखिरी मैच जुलाई 2023 में खेला था। खुरम शहाजद की कोट ने आमिर जमाल के लिए पाकिस्तान टीम में वापसी का रास्ता साफ कर दिया है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर, जिन्हें अपनी पीठ की समस्या है, पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई दौर पर प्रभावशाली रहे, लेकिन उसके बाद उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। हालांकि, उन्होंने हाल ही में चैंपियंस कप में वापसी की। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने के लिए चुनी गई 17 सदस्यीय टीम में से चयनकर्ताओं ने कामरान गुलाम और मोहम्मद अली को बाहर रखा है। चयनकर्ताओं ने पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ी उनकी योजना में बने रहेंगे, लेकिन एक बयान में उन्होंने बताया कि चयन नीति में स्थिरता और निरन्तरता पर जोर दिया गया है, तथा यह विश्वास है कि एक टेस्ट के लिए 15 खिलाड़ी पर्याप्त हैं, इसलिए उन्हें चैंपियंस वन-डे कप और प्रेसिडेंट्स कप में अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व जारी रखने की सलाह दी गई है और प्रोत्साहित किया गया है।

## आईसीसी ने की महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के नौवें संस्करण के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। दस अंपायर और तीन मैच रेफरी 3 से 20 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टूर्नामेंट का संचालन करेंगे। अंपायरों के अनुभवी समूह में क्लेयर पोलोसाक सहित अनुभवी अधिकारी शामिल हैं, जो अपने पांचवें आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे, जबकि किम कॉटन और जैकलिन विलियम्स मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अंतिम चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया, के बीच पिछले फरवरी में केप टाउन में हुए फाइनल की जिम्मेदारी संभालने के बाद अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगे। सू रूडरफ, जो उस फाइनल में टीवी अंपायर थीं, भी टूर्नामेंट में अपनी चौथी उपस्थिति के लिए वापस आ गई हैं। स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, जिम्बाब्वे की सारा दंबोवाना अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराएंगी। मैच रेफरी की टीम में जीएस लक्ष्मी शामिल हैं, जिन्होंने 2012 में अपना पहला टी20ई रेफरी किया था और 2023 में फाइनल की देखरेख की थी। उनके साथ शैडे फ्रिडज और मिशेल परेरा भी शामिल हैं, जो अपने दूसरे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में रेफरी की भूमिका में हैं।

## आशीष ने जड़ा तूफानी शतक, केजीएमयू ने सुपर किंग्स को हराया

लखनऊ। वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि क्रिकेट टूर्नामेंट में पहले मैच में केजीएमयू क्लब ने मैच ऑफ द मैच आशीष वाल्मीकि के तूफानी शतक से बदलत सुपर किंग्स को 78 रन से हराया। चौक स्टेडियम पर खेले गए मुकामलों में दिन के दूसरे मैच में टाइगर क्लब ने खेरा इलेवन को तीन विकेट से हराकर पूरे अंक जुटाए। पहले मैच में केजीएमयू क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में दो विकेट पर 198 रन बनाए। मैच ऑफ द मैच आशीष वाल्मीकि ने मात्र 30 गेंदों पर 4 चौके व 16 छक्के से 120 रन व सतीश वाल्मीकि ने 25 गेंदों पर 4 चौके व 5 छक्के से 61 रन का योगदान किया। जवाब में बाल्दा सुपर किंग्स सात विकेट पर 120 रन ही बना सका। केजीएमयू क्लब से शिवा, साहिल व अमन को दो-दो विकेट की सफलता मिली। बेस्ट कैच का पुरस्कार केजीएमयू के सतीश को मिला।

## डीपीएल लीग के मैचों में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली साकर एसोसिएशन (डीएसए) के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने कहा कि अंबेडकर स्टेडियम में 26 सितंबर से शुरू होने वाली तीसरी दिल्ली प्रीमियर लीग के फुटबाल मैचों में किसी भी तरह अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। यहां प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अनुज ने बताया कि इस बार गत विजेता गवर्नल हीरोज.उप विजेता रॉयल जर्ज्स, भारतीय वायुसेना, फ्रैंड्स यूनाइटेड,वाटिका एफसी, सुदेवा, दिल्ली एफसी, सीआईएसएफ, तरण सांघा, नेशनल यूनाइटेड, और सीनियर डिजिजन से प्रोमोटिड हिंदुस्तान एफसी और यूनाइटेड भारत भाग लेने वाली टीम हैं। मुकामले डबल लेग आधार पर खेले जाएंगे। डीएसए के चेयरमैन विक्रमजीत ने बताया कि मैचों के

खिलाड़ियों पर गंभीर कार्यवाही की गई थी और आगे भी और कड़े कदम उठाए

कैमरे में कैद किया जाएगा और किसी भी दोषी को माफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की फुटबाल तरकीब कर रही है लेकिन खेल से खिलाड़ियों करने वाले क्लबों के कारण विवाद हो रहे हैं जिन्से सख्ती से निपटा जाएगा। एक सवाल के जवाब में अनुज ने बताया कि उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को अधिकाधिक नैतिकता दिलाने का है। ऐसा तब ही संभव है जब सांस्थानिक लीग को नियत समय पर आयोजित किया जाए। विभिन्न संस्थाओं से संपर्क करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उल्लेखनीय है कि सभी संस्थान पुनर्गठन के दौर से गुजर रहे हैं। इस अवसर पर डीएसए के कोषाध्यक्ष लियकत अली, लीग सब कमेटी के चेयरमैन विक्रमजीत, क्वीनर हरगोपाल, सदस्य हाफिज, कर्माकर और राजेश झरिया भी मौजूद थे।

आपन और डेनमार्क आपन में प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौटने की उम्मीद है। पूर्व विश्व नंबर 1 और प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के दौरान सिंधु के साथी ह्यून इल, विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव और सावधानीपूर्वक तैयारी के लिए प्रतिष्ठा लेकर आए हैं। वह 2006 की विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य पदक विजेता हैं और उनके नाम 2002 और 2014 में दो एशियाई खेलों की टीम स्वर्ण पदक हैं। श्रीधर के साथ उनके शामिल होने का उद्देश्य एक गतिशील कोचिंग जोड़ी बनाना

## वाराणसी के अनुराग ने इंटरनेशनल तैराकी के लिये किया क्लालीफाई

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उभरते हुए तैराक अनुराग सिंह ने हाल ही में हुई राष्ट्रीय ओपन वाटर तैराकी चैंपियनशिप में दोहरे स्वर्ण पदक जीतते हुए इंटरनेशनल ओपन वाटर तैराकी इवेंट्स के लिए क्लालीफाई कर लिया। वाराणसी निवासी अनुराग सिंह ने बेंगलुरु की गुंजर लेक में 22 व 23 सितंबर को आयोजित इस चैंपियनशिप में 10 किमी की स्पर्धा में दो घंटे, 26 मिनट, 26 सेकेंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद वह पांच किमी की स्पर्धा में भी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर रहे।

उत्तर प्रदेश तैराकी एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने बताया कि बेंगलुरु में आयोजित यह चैंपियनशिप इंटरनेशनल ओपन वाटर तैराकी चैंपियनशिप का क्लालीफाई इवेंट भी था। इसके चलते अनुराग अब पुर्तगाल में 8 से 11 अक्टूबर तक होने वाले ओपन वाटर तैराकी वर्ल्ड कप में

10 किमी की स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद अनुराग हांगकांग में 8 से 10 नवंबर, 2024 तक होने वाली एशियन ओपन वाटर



तैराकी चैंपियनशिप में खेलेंगे। एशियन चैंपियनशिप में 10 किमी. व 5 किमी. दोनों ही वर्गों की स्पर्धाएं होंगी और हांगकांग में अनुराग के पास दोनों ही स्पर्धाओं में चमक बिखरने का मौका का

होगा। वर्तमान में कर्नाटक के बेल्लारी में इस्पार इस्टीमेट ऑफ स्पोर्ट्स में विदेशी कोच के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे अनुराग लगातार

तीन ओपन वाटर तैराकी विश्व कप में भारतीय तैराकी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अनुराग ने तीन साल में 8 प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर भी सक्की अपनी प्रतिभा का कायल किया है।

## भारत और जर्मनी के बीच होगी द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला खेलेगी।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिकी ने उद्घाटन करते हुए कहा, जर्मनी के खिलाफ इस द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगा। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में समृद्ध इतिहास है और इस श्रृंखला से प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच शानदार प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर मिलेगा। इस इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की

भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव



भोला नाथ सिंह ने कहा, भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक

रोमांचक प्रतियोगिता रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी बेहतरीन टीम के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हैं

टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का मौका देगी। जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेन्रिच फास्टरिच ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, भारत हमेशा से हॉकी के लिए एक खास जगह रहा है और हमारी टीम उसीवा भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित है। यह सीरीज जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

## दूसरे टेस्ट के लिये कानपुर पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी

कानपुर। बांग्लादेश के खिलाफ 27 सितंबर से शुरू होने वाले श्रृंखला के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिये भारतीय टीम के सदस्य कानपुर पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य टुकड़ियों में यहां पहुंचे। सबसे पहले चर्केरी हवाई अड्डे से भारतीय कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली बाहर निकले जबकि कुछ देर बाद शुभमन गिल,रोहित शर्मा को औद्योगिक नगरी में आमन हुआ। बाद में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत भी कानपुर पहुंच गये।

बांग्लादेश की टीम के डेन शम तक यहां पहुंचने की संभावना है। दोनों टीमों बुधवार से ऐतिहासिक प्रान्त पार्क स्टेडियम पर बाबी वाली से अभ्यास करेंगे। दोनों टीमों को शहर के एकमात्र तीन सितारा होटल

लैंडमार्क में ठहराया गया है। टीमों के अभ्यास के शेड्यूल जारी होना



बाकी है हालांकि सूत्रों का दावा है कि सुबह के सत्र में मेहमान

बांग्लादेश की टीम ग्रीनपार्क में नेट प्रैक्टिस करेंगी जबकि शाम को



भारतीय टीम अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी।

## किशन और प्रसिद्ध कृष्णा ईरानी कप के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में

एजेंसी

नई दिल्ली। रेस्ट ऑफ इंडिया (आरओआई) ने ईरानी कप के लिए इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया है। एक से पांच अक्टूबर तक होने वाला यह मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। आरओआई टीम का मुकामला 2023-24 के रणजी ट्रॉफी विजेता मुंबई से होगा।

इसके अलावा आरओआई की टीम में भारतीय टीम से जुड़े विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को भी जगह मिली है। अगर 27 अक्टूबर से कानपुर में शुरू हो रहे भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट में इन दोनों खिलाड़ियों को जगह नहीं मिलती है, तो ये दोनों आरओआई टीम से जुड़ेंगे। वहीं भारतीय टीम से ही जुड़े मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान को भी टेस्ट में चयन ना होने पर मुंबई टीम की ओर से खेलेंगे। ऋतुराज गायकवाड़ को आरओआई टीम का कप्तान तथा

अभिमन्यु ईश्वरन को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में मानव सुथार, साराश जैन और राहुल चाहर के रूप में तीन स्पिनर जबकि प्रसिद्ध, मुकेश

इस प्रकार है:- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), साई सुदर्शन, देवदत्त पांडेकर, ध्रुव जुरेल



कुमार, यश दयाल और खलील अहमद के रूप में चार तेज गेंदबाज हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने दलीप ट्रॉफी के अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया था। ईरानी कप के लिए आरओआई टीम

(विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, साराश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, यश दयाल, रिकी भुई, शावकत खान, खलील अहमद और राहुल चाहर।



## डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में भाग लेंगी इगा स्विगटेक

एजेंसी

वार्सा। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विगटेक, जो व्यक्तिगत कारणों से सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट से चूक गई थीं, डब्ल्यूटीए 1000 वुहान ओपन में खेलेंगी, टेनिस खिलाड़ी के प्रबंधक अध्यक्ष हेन्रिच फास्टरिच ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, भारत हमेशा से हॉकी के लिए एक खास जगह रहा है और हमारी टीम उसीवा भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित है। यह सीरीज जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा। हम ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने की चुनौती और अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

स्पेन के मलागा में बिली जॉन किंग कप टूर्नामेंट में स्विगटेक की भागीदारी के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

इससे पहले स्विगटेक ने डब्ल्यूटीए के हवाले से कहा था, व्यक्तिगत कारणों से, मुझे बीजिंग में चाइना ओपन से हटना पड़ रहा है। मैं बहुत दुखी हूँ क्योंकि मैंने वहीं बहुत अच्छे समय बिताया था और पिछले साल जीता था। मैं वहीं वापस जाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती थी। प्रशंसक वहीं शानदार टेनिस देख पाएंगे। मुझे खेद है कि मैं इसका हिस्सा नहीं बन पाऊँगी।

वुहान में होने वाला टूर्नामेंट 7 से 13 अक्टूबर तक ऑक्टोक्स बैली इंटरनेशनल टेनिस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

## बेन स्टोक्स सफेद गेंद से वापसी के लिए तैयार, मैकुलम ने इंग्लैंड में नए युग की शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लिश टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि अगर बेंडन मैकुलम उन्हें इंग्लैंड की फिर से शुरू की गई व्हाइट-बॉल टीमों के लिए खेलने के लिए वापस आने के लिए कहते हैं, तो निश्चित रूप से उनकी हॉ होगी, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अभी तक ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है, क्योंकि उनका ध्यान अगले महीने पाकिस्तान के टेस्ट दौर के अगुआई करने के लिए समय पर फिट होने पर है। 33 वर्षीय स्टोक्स ने 2019 में लॉर्ड्स और 2022 में मेलबर्न में इंग्लैंड की विश्व कप फाइनल जीत में से प्रत्येक मैच में चयनित होने वाली पारियों खेली थीं, लेकिन पिछले साल नवंबर में भारत में एकदिवसीय टीम के

शर्मनाक प्रदर्शन के बाद से उन्होंने व्हाइट-बॉल अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। हालांकि, अगले प्रमुख आईसीसी इवेंट, चैंपियंस ट्रॉफी के साथ, जो फरवरी में तेजी से नजदीक आ रहा है, इंग्लैंड के चयनकर्ता न्यूक राइट ने हाल ही में स्वीकार किया कि स्टोक्स और जो स्टूट दोनों पर विचार किया जा रहा है। स्टोक्स ने पहले 2022 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, क्योंकि उन्हें तेजी से बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में थकान महसूस हो रही थी, जबकि उन्होंने जून में हुए सबसे हालिया टी20 विश्व कप से भी खुद को अलग कर लिया था, ताकि वे अपने लंबे समय से चले आ रहे घुटने के ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट होने पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

## डीपीएल लीग के मैचों में अनुशासनहीनता ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली साकर एसोसिएशन (डीएसए) के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने कहा कि अंबेडकर स्टेडियम में 26 सितंबर से शुरू होने वाली तीसरी दिल्ली प्रीमियर लीग के फुटबाल मैचों में किसी भी तरह अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। यहां प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अनुज ने बताया कि इस बार गत विजेता गवर्नल हीरोज.उप विजेता रॉयल जर्ज्स, भारतीय वायुसेना, फ्रैंड्स यूनाइटेड,वाटिका एफसी, सुदेवा, दिल्ली एफसी, सीआईएसएफ, तरण सांघा, नेशनल यूनाइटेड, और सीनियर डिजिजन से प्रोमोटिड हिंदुस्तान एफसी और यूनाइटेड भारत भाग लेने वाली टीम हैं। मुकामले डबल लेग आधार पर खेले जाएंगे। डीएसए के चेयरमैन विक्रमजीत ने बताया कि मैचों के

खिलाड़ियों पर गंभीर कार्यवाही की गई थी और आगे भी और कड़े कदम उठाए

कैमरे में कैद किया जाएगा और किसी भी दोषी को माफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की फुटबाल तरकीब कर रही है लेकिन खेल से खिलाड़ियों करने वाले क्लबों के कारण विवाद हो रहे हैं जिन्से सख्ती से निपटा जाएगा। एक सवाल के जवाब में अनुज ने बताया कि उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को अधिकाधिक नैतिकता दिलाने का है। ऐसा तब ही संभव है जब सांस्थानिक लीग को नियत समय पर आयोजित किया जाए। विभिन्न संस्थाओं से संपर्क करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उल्लेखनीय है कि सभी संस्थान पुनर्गठन के दौर से गुजर रहे हैं। इस अवसर पर डीएसए के कोषाध्यक्ष लियकत अली, लीग सब कमेटी के चेयरमैन विक्रमजीत, क्वीनर हरगोपाल, सदस्य हाफिज, कर्माकर और राजेश झरिया भी मौजूद थे।

आपन और डेनमार्क आपन में प्रतिस्पर्धी कार्रवाई में लौटने की उम्मीद है। पूर्व विश्व नंबर 1 और प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के दौरान सिंधु के साथी ह्यून इल, विशाल अंतरराष्ट्रीय अनुभव और सावधानीपूर्वक तैयारी के लिए प्रतिष्ठा लेकर आए हैं। वह 2006 की विश्व चैंपियनशिप में एकल में कांस्य पदक विजेता हैं और उनके नाम 2002 और 2014 में दो एशियाई खेलों की टीम स्वर्ण पदक हैं। श्रीधर के साथ उनके शामिल होने का उद्देश्य एक गतिशील कोचिंग जोड़ी बनाना

## ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टी-20 मुकामले में न्यूजीलैंड को पांच विकेटों से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों अच्य प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक उसके बाद एलिस पेरी (36) और एश्ली गार्डनर (33) की शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिद करते हुए पांच गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। जॉर्जिया वेयरहम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं सीरीज में 51 रन देकर चार विकेट लेने वाली एश्ली गार्डनर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

आज यहां 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 26 के स्कोर पर उसने बेथ मूनी (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद

## ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टी-20 मुकामले में न्यूजीलैंड को पांच विकेटों से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों अच्य प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक उसके बाद एलिस पेरी (36) और एश्ली गार्डनर (33) की शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिद करते हुए पांच गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। जॉर्जिया वेयरहम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं सीरीज में 51 रन देकर चार विकेट लेने वाली एश्ली गार्डनर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

आज यहां 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 26 के स्कोर पर उसने बेथ मूनी (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद

## ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टी-20 मुकामले में न्यूजीलैंड को पांच विकेटों से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों अच्य प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक उसके बाद एलिस पेरी (36) और एश्ली गार्डनर (33) की शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिद करते हुए पांच गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। जॉर्जिया वेयरहम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं सीरीज में 51 रन देकर चार विकेट लेने वाली एश्ली गार्डनर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

आज यहां 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 26 के स्कोर पर उसने बेथ मूनी (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद

## ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टी-20 मुकामले में न्यूजीलैंड को पांच विकेटों से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों अच्य प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक उसके बाद एलिस पेरी (36) और एश्ली गार्डनर (33) की शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिद करते हुए पांच गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। जॉर्जिया वेयरहम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं सीरीज में 51 रन देकर चार विकेट लेने वाली एश्ली गार्डनर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

आज यहां 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 26 के स्कोर पर उसने बेथ मूनी (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद

## ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला में न्यूजीलैंड का किया सूपड़ा साफ

विधिवत आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने तीन मैचों की सीरीज के आखिरी टी-20 मुकामले में न्यूजीलैंड को पांच विकेटों से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों अच्य प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक उसके बाद एलिस पेरी (36) और एश्ली गार्डनर (33) की शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिद करते हुए पांच गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। जॉर्जिया वेयरहम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं सीरीज में 51 रन देकर चार विकेट लेने वाली एश्ली गार्डनर को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला।

आज यहां 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 26 के स्कोर पर उसने बेथ मूनी (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद

## ऑस्ट्रे



# नेहा कक्कड़

संग तलाक की खबरों पर पति  
Rohanpreet Singh ने तोड़ी चुप्पी, कहा-  
बात उसी की होती है जिसमें बात होती है



नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने साल 2020 में आनंद करण सेरेमनी में शादी की थी. दोनों दिल्ली के एक गुरुद्वारे में शादी के बंधन में बंधे. कपल की शादी को चार साल होने वाले हैं और पिछले दिनों ऐसी अफवाहें सामने आईं कि वे तलाक लेने जा रहे हैं. रोहनप्रीत ने अब आखिरकार इन अफवाहों पर खुलकर बात की है और इसका असल सच बताया है. इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में नेहा कक्कड़ संग तलाक की खबरों पर रोहनप्रीत सिंह ने रिप्लेट किया. उन्होंने कहा- रूमस तो रूमस ही हैं, वो सच थोड़ी हैं, वो तो बस बनाई गई बातें हैं. कल कोई कुछ कहेगा, परसो कोई कुछ बोलेगा, तो उसे आपको अपने पर्सनल रिश्ते पर असर नहीं होने देना चाहिए.

**हमारी जो लाइफ चल रही है उसे...**

रोहनप्रीत सिंह ने आगे कहा- मुझे लगता है कि ऐसी बातें आपको एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देनी चाहिए. या तो आप सुनो ही मत. आप सोचो ही मत कि कोई ऐसी चीज बोल भी रहा है. ये लोगों का काम है, उनको करने दो अगर उन्हें मजा आ रहा है ये करके. हमारी जो लाइफ चल रही है उसे हम अपने हिसाब से जीते हैं. तो दोनों अलग-अलग होने चाहिए. बात उसी की होती है जिसमें कोई बात होती है, तो बात होती रहनी चाहिए जिससे पता चलता है कि आग्रो कर रहे हैं.

**लंबे समय से आ रही थीं तलाक की खबरें**

बता दें कि लंबे समय से खबरें आ रही थीं कि नेहा कक्कड़ और उनके पति रोहनप्रीत सिंह के बीच तकरार चल रही है. ऐसे में कपल तलाक लेने वाला है. लेकिन रोहनप्रीत ने अपने बयान से साफ कर दिया है कि उनकी मैरिड लाइफ में सबकुछ ठीक है और तलाक की खबरें सिर्फ अफवाहें हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है.

अगर मैं भजन की तरह बोलूंगा तो  
Stree 2 के आइटम सॉन्ग 'आज की रात' पर बोले अमर कौशिक



श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार 'स्त्री 2' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिखाया. ये ब्लॉकबस्टर फिल्म अभी भी थिएटर में लगी हुई है और अच्छी कमाई कर रही है. फिल्म ने लोगों से खूब वाहवाही बटोरी. इसका गाना 'आज की रात' काफी वायरल हुआ था. अब हाल ही में अमर कौशिक ने इस गाने को लेकर बात की है और बताया है कि लोगों को लगता है आइटम नंबर है तो गंदे बोल ही होना चाहिए, जबकि ऐसा नहीं है.

डायरेक्टर अमर कौशिक ने 'स्त्री 2' के सॉन्ग 'आज की रात' को लेकर कहा कि आइटम सॉन्ग फिल्म के मेसैज को और भी बेहतर बना सकता है. उन्होंने कहा कि अक्सर आइटम नंबरों में फीमेल को ऑब्जेक्टिफाई करने के लिए क्रिटिसाइज किया जाता है, लेकिन उन्हें लगता है कि अगर सही तरीके से गाने को पेश किया जाए तो वो फिल्म को एक नई ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं.

**फिल्म का मेसैज क्लियर होना जरूरी**

कौशिक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान अपने विजन के बारे में बताया. डायरेक्टर ने कहा, एक आइटम सॉन्ग वाली मसाला फिल्म भी एक अच्छे कॉन्टेंट को बनाए रखती है. जब आप एक बड़े बजट की फिल्म बनाते हैं, तो आपको एक पूरा पैकेज देने की जरूरत होती है, जिसमें फिल्म में दिए मेसैज के बारे में क्लियर होना बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा, हर डायरेक्टर को ये पता होना चाहिए कि वो फिल्म में क्या कहना चाहता है और क्या दिखाना चाहता है. लोगों को आइटम सॉन्ग पसंद आते हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो फिल्म की कहानी में फिट हों. हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोग आइटम सॉन्ग देखने के लिए भी थिएटर में आते हैं.

**लोगों को लगता है आइटम सॉन्ग है तो गलत लिखिस हों**

हालांकि, मैंने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि कहानी को क्लालिटी और सम्मान से कोई कॉम्प्रोमाइज किए बिना लोगों के सामने पेश करूं. ज्यादातर लोगों को लगता है आइटम सॉन्ग है तो गंदे बोल ही होने चाहिए, लेकिन मैं चाहता था कि गाना एंटरटेनिंग और फिल्म के हिसाब से फिट होना चाहिए, लेकिन गाने के लिखिस मॉनिंगफुल होने चाहिए.

**रणवीर और मैं दोस्त नहीं थे बल्कि... जूनियर NTR ने आलिया भट्ट के साथ अपने रिश्ते पर कही ये बात**



जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर की फिल्म 'देवरा पार्ट 1' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. फिल्म के स्टार इन दिनों प्रमोशन में लगे हुए हैं. ऐसे में प्रमोशन के दौरान ही फैन्स को सरप्राइज देखने को मिल गया. देवरा के प्रमोशन के वक आलिया भट्ट भी शामिल हुईं. आलिया की अपकमिंग फिल्म जिगरा भी जल्द ही रिलीज होने वाली है. ऐसे में जूनियर एनटीआर ने आलिया और अपने रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए हैं. आलिया भट्ट और जूनियर एनटीआर के साथ इस इंटरव्यू का नाम देवरा का जिगरा रखा गया था. एक्टर ने कहा, मैं बॉम्बे में आलिया के अलावा किसी और दोस्त के बारे में सोच भी नहीं सकता था. प्रमोशन के दौरान एनटीआर ने कहा, मेरी और आलिया की दोस्ती के बाद मेरी और रणवीर की दोस्ती हुई है. इसलिए पहले रणवीर और मैं दोस्त नहीं थे बल्कि यह मैं और आलिया थे, जो दोस्त थे. आलिया से दोस्ती होने के बाद मैं मेरी और रणवीर की दोस्ती हुई. आलिया और जूनियर एनटीआर के साथ इस दौरान करण जोहर भी मौजूद थे. आलिया और जूनियर एनटीआर दोनों साथ मिलकर जिगरा और देवरा का क्रॉस प्रमोशन कर रहे हैं. दोनों फिल्मों में जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. जिगरा 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने जा रही है. वहीं देवरा 27 सितंबर को.

**जिगरा का ट्रेलर हुआ था रिलीज**

हाल ही में जिगरा का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था. फिल्म की कहानी, भाई-बहन के रिश्ते पर आधारित है. फिल्म में आलिया ताबड़तोड़ एक्शन करती नजर आ रही हैं. जिगरा में आलिया भट्ट अपने भाई को बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती हैं. फिल्म में आलिया ने सत्य का किरदार निभाया है. वहीं उनके भाई का किरदार वेदांग राना ने निभाया है. जिगरा में आलिया एक बहन नहीं बल्कि बड़ा भाई बनकर अपने सारे फर्ज निभाती हैं.

**भारत के कोस्टल एरिया पर है बेस्ट देवरा**

वहीं दूसरी ओर जूनियर NTR, जान्हवी कपूर और सैफ अली खान स्टार फिल्म देवरा पार्ट 1 का 10 सितंबर को ट्रेलर लॉन्च हुआ था. इस फिल्म से जान्हवी कपूर साउथ फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं. फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में हैं. इस फिल्म को कोराताला शिवा ने लिखा है. इसके अलावा उन्होंने इसे डायरेक्ट भी किया है. ये फिल्म भारत के कोस्टल एरिया पर बेस्ट है. फिल्म में 1980 और 1990 के समय को दिखाया गया है.

# जैस्मिन भसीन

की अली गोनी से नहीं हुई 11 दिनों से बात,  
रोमांटिक वीडियो शेयर कर इमोशनल हुई एक्ट्रेस



एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन और अली गोनी इन दिनों एक-दूसरे को काफी याद कर रहे हैं. जहां पहले अली गोनी ने जैस्मिन संग अपनी रोमांटिक फोटो शेयर की थी, तो वहीं अब एक्ट्रेस ने भी अपने बॉयफ्रेंड के साथ एक रोमांटिक वीडियो शेयर किया है. वीडियो के जरिए जैस्मिन ने खुलासा किया है कि ऐसा पहली बार हुआ है जब उनको अली से कई दिनों से बात नहीं हुई है और ऐसे में वे उन्हें काफी मिस कर रही हैं. जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मैशअप वीडियो शेयर किया है जिसमें वे पिंक कलर की साड़ी पहने अली के साथ मिरर वीडियो बनाती दिख रही हैं. इसके बाद उनकी

अली के साथ कई रोमांटिक फोटोज देखने को मिलती हैं जिसमें वे अली की बाहों में दिख रही हैं. वीडियो में अली को कुछ सिंगल फोटोज भी ऐड की गई हैं. इसके साथ बैकग्राउंड में रोमांटिक सॉन्ग वे हानिया भी ऐड किया गया है.

**जैस्मिन ने लिखा इमोशनल पोस्ट**

इस वीडियो को शेयर करते हुए जैस्मिन भसीन ने इमोशनल कर देने वाला कैप्शन लिखा है. उन्होंने लिखा- एक-दूसरे को जानने के लगभग 6.5 सालों में ये पहली बार था जब हमने लगातार 11 दिनों तक एक-दूसरे से बात नहीं की या वीडियो कॉल पर भी एक-दूसरे को नहीं देखा. और



मैंने तुम्हें हर दिन, हर पल और हर सांस के साथ याद किया. और मैं जीवन में कभी भी किसी भी कोमत पर ऐसी हालत में नहीं आना चाहती. क्योंकि तेरे कोलन मीनू सा मिलदे.

**अली गोनी ने किया रिप्लेट**

जैस्मिन को इस पोस्ट पर अली गोनी ने रिप्लेट भी किया है. उन्होंने कमेंट कर लिखा- तुम्हें देखने का इंतजार नहीं कर सकता. बता दें कि अली गोनी इन दिनों कुकिंग-कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ में दिखाई दे रहे हैं. वहीं जैस्मिन इन दिनों अपनी फिल्म अरदास सरबत दे भले दी के प्रमोशन में बिजी चल रही हैं. ऐसे में कपल एक-दूसरे से दूर है और एक-दूसरे को याद कर रहा है.